अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 329 लखनऊ, बुधवार, 18 जून 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

इजरायल को खुद की रक्षा का अधिकार : जी-7

ईरानियों को तेहरान खाली करने की चेतावनी दे डोनाल्ड ट्रंप ने जी-7 शिखर सम्मेलन बीच में छोड़ा

● इजरायल और ईरान के बीच का युद्ध एक नये मोड़ पर

एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/यरुशलम। इजरायल और ईरान के बीच का युद्ध एक नये मोड़ पर पहुंच गया है जिसमें ईरान के सैन्य प्रमुख शादमानी को मार गिराने का दावा किया गया है। इजरायल ने अपने दावे में कहा है कि ईरान के युद्धकालीन चीफ ऑफ स्टाफ एवं इस्लामिक रिपब्लिक के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में से एक अली शादमानी को मार दिया गया है।

इजरायल ने तेहरान में उसके सरकारी मीडिया आईआरआईबी न्यूज के मुख्यालय को निशाना बनाया है । इजरायल के हमलों में अब तक 227 ईरानी नागरिकों की मौत हो चुकी है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता

इस्माइल बाघेई ने सोमवार को आईआरआईबी न्यूज मुख्यालय पर इजरायली हमले की पुष्टि करते हुए उसे अपराध की संज्ञा दी। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इजरायली हमले को रोके जाने का आग्रह किया है।

बाघेई ने एक्स पर कहा इजरायल ने सरकारी टेलीविजन और रेडियो कंपनी पर हमला कर एक और जघन्य अपराध किया है और ईरान की जनता पर हो रहे हमलों को रोकने के लिए सुरक्षा परिषद को अपनी जिम्मेदारी पूरी करनी है। दूसरी ओर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के खिलाफ जारी युद्ध को वहां के दुष्ट शासकों से मुक्त कराने का अभियान बताते हुए कहा कि उनके दिन अब लद गये हैं और वहां स्वतंत्रता की मशाल जल चुकी है। श्री नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल के सैन्य अभियान उसके लोगों को इस्लामिक गणराज्य को उखाड़ फेंकने का मौका दे रहा है।

भारतीय नागरिकों को तेहरान छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा

तेहरान/नयी दिल्ली। ईरान की राजधानी तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने इजरायल की ओर से किये जा रहे हमलों के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को शहर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है।भारतीय दूतावास ने नागरिकों से दूतावास को अपना संपर्क विवरण और जिस स्थान पर रह रहे हैं उसका विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ल्लसभी भारतीय नागरिक और पीआईओ जो अपने संसाधनों का उपयोग करके तेहरान से बाहर जा सकते हैं, उन्हें शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर चले जाने की सलाह दी है। सभी भारतीय नागरिक जो तेहरान में हैं और दूतावास के संपर्क में नहीं हैं, उनसे अनुरोध है कि वे तुरंत तेहरान में भारतीय दूतावास से संपर्क करें और अपना स्थान और संपर्क नंबर प्रदान करें। कृपया +989010144557, +989128109115, +989128109109 अएमईएइंडिया इंडिया इन ईरान, अइंडिया त्इनईरान पर संपर्क करें।

इसी से जुड़े एक और घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान के लोगों से शहर खाली करने का आग्रह किया है। श्री ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'ट्रुथ' पर लिखा,ल्लईरान को उस 'समझौते' पर हस्ताक्षर करना चाहिए था जो मैंने उन्हें करने के लिए कहा था। उन्होंने कहा ल्लमैं बार-बार कहता आया हूं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। हर किसी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीधे शब्दों में कहें तो ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। दूसरी ओर तबरीज में ईरान ने एक इजरायली एफ - 35 लड़ाकू जेट विमान को मार गिराने का दावा किया है। पूर्वी अज़रबेजान संकट प्रबंधन के महानिदेशक माजिद फार्शी ने मंगलवार को जानकारी दी कि तबरीज के आसपास तीन स्थानों को निशाना बनाया गया और वायु रक्षा प्रणाली की ओर से इज़रायल के माइक्रो एयर व्हीकल्स (एमएवी) पर आक्रमण किया गया। ईरान की वायु रक्षा प्रणाली ने इजरायल के चौथे एफ-35 लड़ाकू विमान को मार गिराया है।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार श्री ट्रम्प ने कनाडा में जी 7 शिखर सम्मेलन को जल्दी छोड़ कर वापस लौटने का फैसला किया है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद को व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में बैठक के लिए तैयार रहने का आदेश दिया। उन्होंने अपनी टीम के सदस्यों को जल्द से जल्द ईरान के अधिकारियों के साथ बैठक की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी टीम के सदस्यों को जल्द से जल्द ईरान के अधिकारियों के साथ बैठक की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। सीएनएन न्यूज चैनल ने सूत्र का हवाला देते हुए अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने इजरायल की ओर से किये जा रहे हमलों के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को शहर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा है। भारतीय दूतावास ने नागरिकों से दूतावास को अपना संपर्क विवरण और जिस स्थान पर रह रहे हैं उसका विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में कहा, ल्लसभी भारतीय नागरिक और पीआईओ जो अपने संसाधनों का उपयोग करके तेहरान से बाहर जा सकते हैं, वे शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर चले जायें।

संक्षिप्त

यूपी में 19 जून तक दस्तक दे सकता है मानसून

लखनऊ। उमस भरी गर्मी की मार झेल रहे उत्तर प्रदेश में अगले दो दिनो में दक्षिण पश्चिम मानसून के आगमन के आसार जताये गये हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले दक्षिण पश्चिम मानसून मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ से आगे बढ़ा है और 19 जून तक इसके उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने का अनुमान है। इस दौरान तेज रफ्तार हवायें चलने और प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश के आसार हैं। मानसून की दस्तक से पहले पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इक्का दुक्का इलाकों में छिटपुट वर्षा का दौर जारी है। इस अवधि में बिजली गिरने की घटनाओं में बढोत्तरी हुयी है और पिछले एक सप्ताह में वज्रपात की घटनाओं में 35 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने इस साल मानसून के दौरान सामान्य से अधिक वर्षा होने के आसार जतायें हैं।

देश में कोरोना सक्रिय मामले घटकर सात हजार से नीचे आये

नई दिल्ली। देश में पिछले तीन दिनों के दौरान कोरोना सक्रिय मामलों में कमी देखी गयी है और मंगलवार सुबह तक सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 6836 रही गयी। इससे पहले रविवार और सोमवार को कुल सक्रिय मामलों की संख्या क्रमशः 7383 और 7264 थी। पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण से एक और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 109 पहुंच गया है और 428 मामले घटने के साथ इनकी कुल सक्रिय मामलों की संख्या 6836 रह गयी। वहीं 1168 मरीजों के स्वस्थ होने से अभी तक इस वायरस से निजात पाने वालों की कुल संख्या 14772 पहुंच गयी है। गत 22 मई को देश में कोराना के मामले सिर्फ़ 257 सक्रिय थे।

कांग्रेस ने जातिगत जनगणना पर किया संदेह व्यक्त

नई दिल्ली। कांग्रेस ने केंद्र सरकार की जातिगत जनगणना की अधिसूचना पर संदेह व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि इसके लिए पूरी प्रक्रिया का पालन और पर्याप्त बजट का आवंटन किया जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 16वीं जनगणना के लिए जारी की गयी अधिसूचना में जातिगत जनगणना का उल्लेख नहीं है। इससे सरकार की मंशा पर संदेह पैदा होता है। इसके अलावा जनगणना के लिए पर्याप्त राशि का आवंटन भी नहीं किया गया है जिससे लगता है कि सरकार इस मामले को टाल रही है।

योगी ने होटल पहुंचकर मध्य क्षेत्रीय परिषद की तैयारियों का लिया जायजा

● मंडलायुक्त एस राजलिंगम और जिलाधिकारी को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के अन्तिम दिन मंगलवार को नदेसर स्थित तारांकित होटल ताज पहुंचकर 24 जून को प्रस्तावित मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की तैयारियों का जायजा लिया। होटल में बैठक की तैयारियों को परखने के बाद मुख्यमंत्री ने मंडलायुक्त एस राजलिंगम और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार से बैठक के संबंध में की गयी तैयारियों को

जाना और उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

इसके पहले मुख्यमंत्री ने सोमवार की शाम सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक के दौरान दोनों अफसरों से मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक को लेकर जानकारी ली थी। निरीक्षण के दौरान प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टाम्प राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक डॉ अवधेश सिंह, पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल आदि भी मौजूद रहे।

काशी में 24 जून को होगी मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 24 जून को मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक होगी, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की तैयारियों का जायजा लिया और आयोजन की तैयारियों से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

धामी ने राजनाथ से की उत्तराखंड के विभिन्न अहम मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली/देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को नयी दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भेंट कर राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। श्री धामी ने रक्षा मंत्री से रानीखेत और लैंसडाउन छावनी क्षेत्र को नगर पालिकाओं के साथ विलय करने का अनुरोध किया। जिससे इन क्षेत्रों में पर्यटन एवं जनसुविधाओं के समग्र विकास में सहयोग मिलेगा। धारचूला और जोशीमठ के सैन्य हेलीपैड को आरसीएस हवाई सेवा के अंतर्गत उपयोग करने के लिए अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया। राज्य के आपदा एवं राहत कार्यों के लिए भारतीय वायुसेना की सेवाओं के लिए देय शुल्क को माफ किये जाने का भी मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया।

ठग लाइफ फिल्म का प्रदर्शन रोकने से सुप्रीम कोर्ट नाराज, कर्नाटक से मांगा 24 घंटे में जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। मशहूर कलाकार कमल हासन की मुख्य भूमिका वाली फिल्म 'ठग लाइफ' को आवश्यक कानूनी प्रावधानों के पालन किए बगैर कर्नाटक के सिनेमाघरों में दिखाये जाने से रोके जाने पर कड़ी आपत्ति व्यक्त करते हुए राज्य सरकार को 24 घंटे में जवाब देने का मंगलवार को निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति उज्जवल भुइयां और न्यायमूर्ति मनमोहन की अंशकालीन कार्य दिवस पीठ ने फिल्म के प्रदर्शन को रोके जाने को चुनौती देने वाली महेश रेड्डी की जनहित याचिका पर राज्य सरकार को ये निर्देश देते हुए कहा कि वह इस मामले में अगली सुनवाई गुरुवार को करेगी।

कन्नड़ भाषा पर हासन की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद एक समूह की ओर से (सिनेमा घर मालिकों को) दी गई धमकियों के बाद कर्नाटक में यह फिल्म प्रदर्शित नहीं की गई है, जबकि अन्य कई राज्यों में पांच जून से ही प्रदर्शित की जा रही है। कथित तौर पर धमकी दी गई थी कि फिल्म कर्नाटक में दिखाई गई तो संबंधित सिनेमाघरों में आग लगा दी जाएगी और फिल्म चलने नहीं दी जाएगी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने आरोप लगाते हुए कहा कि भले ही राज्य ने उस फिल्म के प्रदर्शन पर प्रतिबंध नहीं लगाया, लेकिन धमकी देने वालों के खिलाफ भी सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। इतना ही नहीं, धमकियों के मद्देनजर सरकार ने सुरक्षा संबंधी आवश्यक उपाय नहीं किया कि फिल्म प्रदर्शित की जा सके। इस प्रकार बिना आवश्यक कानूनी प्रावधान के पालन किए फिल्म के प्रदर्शन पर एक तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया। राज्य सरकार की ओर से यह दलील दिए जाने के बाद कि इस विवाद के मामले में कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक याचिका लंबित है, पीठ ने उसे (उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित मामले को) शीर्ष अदालत के समक्ष स्थानांतरित कर दिया। पीठ ने राज्य के अधिवक्ता की उन दलीलों को खारिज करते हुए से कहा, ''कल तक आप जवाब दाखिल करें। राज्य (सरकार) इस तरह से काम नहीं कर सकता। आपको बयान का जवाब बयान से और लिखकर देना चाहिए।

इंडिया गठबंधन के साथ मिल कर लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● पीड़ित, दलित, वंचित और गरीब पीडीए का हिस्सा : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने साफ किया है कि उनकी पार्टी 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव को इंडिया गठबंधन के घटक दल के रुप में लड़ेगी। पार्टी के प्रदेश दफ्तर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में श्री यादव ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सफाये के लिये उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के चलते महंगाई,बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। बिजली महंगी होने जा रही है। यह सरकार महंगाई, बेरोजगारी लगातार बढ़ा रही है। दूध उत्पादन तो प्रदेश में हो ही नहीं रहा है, जो मदद काउ मिल्क प्लांट के जरिये सरकार की तरफ से मिलती थी, वो भी बंद कर दी गयी है।

उन्होने कहा कि जो लोग किसानों का सामना नहीं कर सकते, वही तो हवाई यात्रा करेंगे। हमारे पहले मुख्यमंत्री हैं जो फसल को हेलीकॉप्टर से देखने निकले थे। बुनकरों के खराब हालात के लिये भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुये उन्होने कहा कि बुनकर कारीगरों आर्थिक बदहाली का सामना कर रहे हैं। कम आय होने की वजह से जीवन स्तर में गिरावट आ रही

है और वे लोग अपने भविष्य की योजना तक नहीं बना पा रहे हैं। बिचौलियों द्वारा उनका शोषण किया जा रहा है। बुनकरों की कमाई का बड़ा हिस्सा बिचौलियों के पास चला जाता है। उनके पास काम करने के लिए पूंजी नहीं बचती है। हालत यह हो गई है कि बुनकरों के लिए बनाए कपड़ों के लिए अब कोई खरीददार नहीं मिलता है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि इन लोगों की आर्थिक समस्या का समाधान करने के लिए सरकार को अलग तरह योजनाएं चलानी पड़ेगी। उन्होने कहा ल्ल सपा सरकार आने पर बुनकरों पर हम एक डॉक्यूमेंट तैयार करेंगे जो आने वाले समय में समाजवादी पार्टी के मैनिफ़ेस्टो में शामिल होगा।

श्री यादव ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं के हालात बदतर है। पहले दो इंजन टकरा रहे थे और अब तो डिब्बे भी टकराने लगे हैं। उन्होने कहा ल्ल पहले डिप्टी सीएम और आउटगोइंग सीएम के बीच टकराव था, अब तो सब एक-दूसरे से टकरा रहे हैं। कोई कूटा जा रहा है और जो मौजूदा सीएम हैं, वो खुद जा रहे हैं। भाजपा वाले पीडीए को न्याय नही देने दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि मेडिकल कालेजों में प्रोफ़ेसरों का अभाव है। अस्पतालों में मरीजों को दवा के नाम पर कोयले का घोल पिलाया जा रहा है और गलत इंजेक्शन से मौतें हो रही हैं।प्रदेश में बिजली की बढ़ती कीमतों पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में बिजली मंहगी करने की तैयारी चल रही है।

उप्र मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के प्रशिक्षण का शुभारम्भ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों (मतदाता सूची) की गुणवत्ता सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से प्रदेश की 403 विधानसभाओं के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) का 17, 19, व 25 जून, 2025 को उप्र प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी (उपाम) में तीन चरणवार एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया जा रहा है। प्रथम चरण के सत्र का प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने दीप प्रज्ज्वलित कर प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ किया। प्रथम चरण में प्रतिभाग

करने वाले 124 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को संबोधित किया।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मतदाता सूची से जुड़े हुए मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला। नवदीप रिणवा ने कहा कि मतदाता सूची में हर पात्र नागरिक का नाम दर्ज हो ये हम सब की जिम्मेदारी है। हमारे प्रदेश की मतदाता सूची में त्रुटियां न रहें, इसके लिए आज निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने मतदाता सूची के विधिक पहलुओं तथा रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों एवं बी0एल0ओ0 के दायित्व एवं कर्तव्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पंचायत चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में अगले वर्ष होने वाले पंचायत चुनाव की तैयारी में अभी से जुट गयी है। पंचायत चुनाव की दृष्टि से भाजपा प्रदेश मुख्यालय में एक बड़ी बैठक हो चुकी है। अब प्रदेश के नेता जिलों में जाकर पंचायत प्रतिनिधियों के साथ बैठकें व सम्मेलन करेंगे। भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने मंगलवार को आजमगढ़ एवं लालगंज में जिला पंचायत, नगर पालिका, नगरपंचायत अध्यक्ष व जिला पंचायत के सदस्यों की बैठक को संबोधित किया। इसके अलावा उन्होंने अनुसूचित जाति कार्यकर्ता संवाद के तहत पार्टी के अनुसूचित वर्ग के

पदाधिकारियों से संवाद किया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि जातिवाद परिवारवाद को जनता नकार चुकी है यही कारण है कि विपक्षी पार्टियां अब झूठ, दुष्प्रचार के एजेंडे के साथ देश में भ्रम फैला रहे हैं। कहा कि सबको सुरक्षा, सबको सम्मान, सबको समान अवसर और सबकी खुशहाली ही भाजपा की नीति है।

उन्होंने कहा कि सपा, कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टियां लगातार दुष्प्रचार करके जनता को भ्रमित करने का काम कर रहे है । उन्होंने कहा कि एक-एक कार्यकर्ता को हर

● जातिवाद परिवारवाद को जनता नकार चुकी : धर्मपाल सिंह

घर तक पहुंचकर विपक्ष के झूठ, फरेब का पर्दाफाश करना है। जन जन तक सत्य को पहुंचाना है। धर्मपाल सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहेब के अपमान में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।

कांग्रेस ने बाबा साहेब को चुनाव हरवाया। जब बाबा साहेब का निधन हुआ तो उनका अन्तिम संस्कार दिल्ली में नही होने दिया। कांग्रेस के लोग हाथ में संविधान लेकर के घूमते हैं लेकिन कभी संविधान व बाबासाहेब आंबेडकर का सम्मान नहीं करते। कांग्रेस ने लम्बे समय तक देश में शासन किया लेकिन बाबा साहेब को भारत रत्न का सम्मान भाजपा समर्थित सरकार में मिला। बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर ने संविधान में सबको समान अधिकार दिया। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर में बाबासाहेब के संविधान को लागू होने नहीं दिया। जम्मू कश्मीर में डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक देश में दोहरी नीति का विरोध करते हुए अपना बलिदान दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुच्छेद 370 समाप्त कर जम्मू कश्मीर में बाबा साहेब के संविधान को लागू करने का काम किया और इसके साथ ही अनुसूचित जातियों को आरक्षण का लाभ भी मिलना प्रारंभ हुआ। जिस आरक्षण को कांग्रेस ने अनुच्छेद 370 लगाकर रोक दिया था।

यूपी के किसानों को मेंथा की जगह मक्के की खेती भा रही

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अनाजों की रानी कही जाने वाली मक्के की खेती उत्तर प्रदेश की किसानों को भाने लगी है। बाराबंकी के कुछ किसानों को तो इसकी खेती इतनी पसंद आई कि वह मेंथा की जगह अपेक्षाकृत कम पानी में होने वाली मक्के की खेती करने लगे। वहां इसके रकबे में लगातार विस्तार हो रहा है। उल्लेखनीय है कि विपणन वर्ष 2024-2025 के लिए योगी सरकार ने प्रति कुंतल मक्के की एमएसपी 2225 रुपये घोषित की है। 15 जून से इसकी खरीद भी शुरू हो चुकी है। यह खरीद 31 जुलाई तक जारी रहेगी। बहुउपयोगी होने के साथ मक्के में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन भी होता है। इसमें प्रोटीन की मात्रा धान, गेहूं ही नहीं रागी, बाजरा, कोदो एवं सावा से भी अधिक होती है। इसके अलावा इसमें खनिज लवण और फाइबर भी भरपूर मात्रा में होती है। कैलेशियम और आयरन भी थोड़ी मात्रा में मिलता है। इसीलिए यह इंसानों के अलावा चारे के रूप में पशुओं और कुक्कुट आहार के लिए भी उपयुक्त है। प्रदेश की राजधानी से सटे इस जिले के किसान खासे प्रगतिशील हैं। रामशरण वर्मा जैसे किसान तो पूरे देश के लिए नजीर हैं। इसके लिए इनको 2019 में पद्मश्री पुरस्कार भी मिल चुका है। बाराबंकी की पहचान मेंथा की खेती के लिए रही है। पर हाल के कुछ वर्षों के दौरान जायद के सीजन में यहां के कुछ क्षेत्रों के किसान अपेक्षाकृत कम पानी में होने वाले मक्के की खेती करने लगे हैं। उल्लेखनीय है कि बीते तीन वर्षों से मसौली, रामनगर, फतेहपुर और निंदूरा ब्लॉक में किसानों को मक्का की खेती के लिए प्रेरित किया गया और उन्हें बीज भी उपलब्ध करवाए गए। पहले जायद में खेत खाली रहते थे या मेंथा की खेती होती थी। अब मक्के की खेती हो रही है। उपज अच्छी हो रही है और बहुउपयोगी होने के कारण बाजार में दाम (प्रति कुंतल 2500 रुपये) भी अच्छे मिल जा रहे हैं। यही वजह है कि किसानों में पिछले कुछ वर्षों से मक्के की खेती का क्रेज बढ़ा है। कृषि विज्ञान केंद्र बेलीपार (गोरखपुर) प्रभारी डॉ. एसके तोमर के अनुसार खरीफ के फसल की बोआई के लिए 15 जून से 15 जुलाई तक का समय उपयुक्त होता है। अगर सिंचाई की सुविधा हो तो मई के दूसरे या तीसरे हफ्ते में भी इसकी बोआई की जा सकती है। इससे मानसून आने तक पौधे ऊपर आ जाएंगे और भारी बारिश से होने वाली क्षति नहीं होगी। प्रति एकड़ करीब 8 किलोग्राम बीज की जरूरत होती है। अच्छी उपज के लिए बोआई लाइन में करें। लाइन से लाइन की दूरी 60 सेमी एवं पौधे से पौधे की दूरी 20 सेमी रखें। उपलब्ध हो ती बेड प्लांटर का प्रयोग करें।

पंचायती राज मंत्री से वायदा निभाने की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- वार्षिक समीक्षा बैठक में कई मुद्दो पर विस्तार से चर्चा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष बसंतलाल गौतम एवं महामंत्री रामेंद्र श्रीवास्तव की उपस्थिति में वार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। अन्तर्राष्टीय बौद्व संस्थान गोमतीनगर आयोजित बैठक में कई अहम निर्णय लिये गए। बैठक में निदेशालय पर आयोजित स्वच्छता समारोह के दौरान पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर द्वारा किए गए वायदे पूरे करने की मांग की गई। बैठक में बताया गया कि 20 दिसम्बर 24 को विभागीय मंत्री ने सेवा नियमावली, पदोन्नति एवं पदनाम परिवर्तन कराने का वायदा किया था। अब उस वायदे को छह माह बीत रहे है लेकिन आदेश अब तक जारी नही किए गए।

वार्षिक समीक्षा बैठक में पंचायती राज सफाई कर्मियों ने ईरिक्शा चलवाये जाने का पूरजोर विरोध किया। बैठक में पन्नी बीनने तथा प्रति माह दस किलो पन्नी जमा करने का भी विरोध किया गया। पूर्व अध्यक्ष क्रांति सिंह द्वारा अगल संघ बनाये जाने पर उन्हें संघ से निष्कासित करने का निर्णय पूरे सदन द्वारा लिया गया। सदन ने पुरानी पेंशन बहाली के हर आन्दोलन में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित रखने पर जोर दिया। बैठक मेंसफाई कर्मचारियों को ऑनलाइन हाजिरी से मुक्त रखने की मॉग रखी गई। बैठक को डीडी चौहान प्रदेश संगठन मंत्री, अयोध्या प्रसाद यादव प्रदेश सम्प्रेक्षक, राघवेन्द्र तिवारी, परमहंस गौतम, मुकेश मल्होत्रा, रमेश भारती, संदीप भारतीय, रवि मौर्य, रामलाल अध्यक्ष बरेली, प्रदुम्न सिंह, सुलेख चंद आदि ने सम्बोधित किया।

संक्षिप्त समाचार

मुख्तार अंसारी के फरार पत्नी आफ्शा के बैंक खाते की धनराशि हुई फ्रीज

लखनऊ। माफिया डॉन रहे मुख्तार अंसारी की फरार पत्नी आफ्शा अंसारी के लखनऊ के एसबीआई खाते में जमा कुल धनराशि आठ लाख 91 हजार 268 रुपए को गाजीपुर जनपद की पुलिस ने फ्रीज करा दिया है। गाजीपुर जनपद के पुलिस अधीक्षक इरार रजा ने पत्रकारों को बताया कि कोतवाली थाना के निरीक्षक ने लखनऊ में यूपी सिविल सचिवालय के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में फरार पचास हजार की ईनामी आफ्शा अंसारी के बैंक खाते की जानकारी की। इसके बाद निरीक्षक ने बैंक अधिकारियों से वार्ता कर सम्पूर्ण जानकारी साझा की। इसके बाद आफ्शा अंसारी का बैंक खाता नम्बर 10223102494 में जमा राशि को बैंक अधिकारी ने फ्रीज कर दिया। गाजीपुर जनपद के पुलिस रिकार्ड में ऋ-191 गैंग का नाम मुख्तार अंसारी से जुड़ा है। मुख्तार की पत्नी आफ्शा अंसारी के विरूद्ध कोतवाली थाना गाजीपुर में लोगों को धमकाने, वसूली करने, धोखाधड़ी करने जैसी धाराओं 406, 420, 386, 506 में मुकदमा दर्ज है। साथ ही आफ्शा पर यूपी गैंगेस्टर एक्ट लगा हुआ है। आफ्शा के फरार होने के बाद से उसके ऊपर यूपी पुलिस ने ईनाम रख रखा है।

योग अभ्यास के लिए हर जिले में बनेंगे 'योग पार्क'

लखनऊ। योग को आमजन की दिनचर्या का हिस्सा बनाने और सामूहिक योगाभ्यास को स्थायी स्वरूप देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने पूरे प्रदेश में 'योग पार्क' स्थापित करने की महत्त्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इस योजना के तहत स्थानीय निकायों जैसे नगर पालिकाओं और ग्राम पंचायतों की भागीदारी से प्रदेशभर में योगाभ्यास के लिए योगा पार्क विकसित किए जाएंगे। इस योजना के अंतर्गत मण्डलीय मुख्यालय वाले जिलों में तीन-तीन और अन्य जिलों में दो-दो योग पार्कों को चिंहित कर उन्हें विशेष रूप से योग-अनुकूल स्थानों में परिवर्तित किया जाएगा। राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार सभी जिलों के जिलाधिकारियों को इस आशय के निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि वे अपने-अपने जिलों में उपयुक्त स्थलों की पहचान कर आवश्यक प्रस्ताव नगर विकास विभाग के समन्वय से आगे बढ़ाएं। इन पार्कों को स्वच्छ, हरे-भरे और शांत वातावरण में विकसित किया जाएगा, जहां लोग नित्य योगाभ्यास कर सकें। ऐसे स्थानों का चयन किया जाएगा, जो सार्वजनिक पहुंच में हों और जहां आसपास के नागरिक, बुजुर्ग, महिलाएं व युवा आसानी से एकत्र होकर सामूहिक रूप से योग कर सकें। इन योग पार्कों में योग प्रशिक्षकों की व्यवस्था, ओपन जिम, विश्राम स्थल, शुद्ध जल और प्रकाश की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

पीएनबी मेटलाइफ ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अब तक का सबसे बड़ा बोनस रु. 1041 करोड़ घोषित किया

लखनऊ। भारत की अग्रणी लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में से एक पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (पीएनबी मेटलाइफ) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रु. 1041.45 करोड़ का रिकॉर्ड बोनस घोषित किया है। यह राशि पिछले वर्ष के रु. 930 करोड़ बोनस से 12प्रतिशत अधिक है और इसमें भाग लेने वाले लगभग 5.68 लाख पात्र पॉलिसीधारकों को इसका फायदा मिलेगा। यह पड़ाव पीएनबी मेटलाइफ के अनुशासित वित्तीय प्रबंधन एवं दीर्घकालीन निवेश रणनीति को दर्शाता है, जिससे कंपनी के हिस्सा लेने वाले प्रोडक्ट्स पर ग्राहकों का भरोसा मज़बूत होगा। समीर बंसल, एमडी एवं सीईओ, पीएनबी मेटलाइफ ने कहाः ल्लंबी अवधि में लाभ प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता बरकरार रखते हुए, हमें अपने अब तक की सबसे बड़ी बोनस राशि रु. 1041 करोड़ की घोषणा करते हुए खुशी है। इस उपलब्धि से हमारे अनुशासित निवेश दृष्टिकोण, ठोस जोखिम प्रबंधन और प्रभावी एसेट एलोकेशन का प्रदर्शन होता है। यह वार्षिक बोनस ग्राहकों द्वारा हमारी कंपनी पर जताए गए भरोसे के बदले आभार जताने का तरीका है, जिसके लिए हम उस लाभ को बांटते हैं जो हमने मिलकर अर्जित किया है।

सुभासपा के पूर्व जिलाध्यक्ष नारायण निषाद ने बसपा किया ज्वाइन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में माल एवेन्यू स्थित बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के आवास पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के पूर्व जिलाध्यक्ष डा.नारायण निषाद ने बसपा ज्वाइन कर लिया। आगरा जनपद में निषाद समाज की राजनीति करने वाले डा.नारायण निषाद के बसपा में ज्वाइन करने पर उनके समर्थकों में खुशी की लहर है। डा.नारायण निषाद को बसपा ज्वाइन कराने के लिए आगरा एवं अलीगढ़ मण्डल कॉर्डिनेटर सूरज सिंह पहुंचें थे। आगरा के बसपा के जिलाध्यक्ष विमल कुमार, जिला कार्डिनेटर सुनील भण्डारी, जिला कार्डिनेटर अजय गौतम, पूर्व एमएलसी प्रताप सिंह बघेल सहित तमाम बसपा नेताओं ने नारायण निषाद का पार्टी में स्वागत किया है।

योगी सरकार की सेफ सिटी योजना बनी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की ढाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 17 नगर निगम और गौतमबुद्धनगर में 54 हजार से अधिक सुरक्षा पहरी दे रहे हर समस्या को चुनौती

लखनऊ। योगी सरकार की सेफ सिटी परियोजना महिलाओं, बेटियों, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों की सारथी बनकर उभरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी सोच और प्रशासन की सक्रियता ने इसे एक मॉडल योजना बना दिया है, जिससे प्रदेश की महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांगजन स्वयं को ज्यादा सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। यह योजना उस भरोसे का प्रतीक है, जो योगी सरकार ने हर नागरिक के मन में सुरक्षा और सम्मान के साथ जीने के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए पैदा किया है।

डीजीपी राजीव कृष्णा ने मंगलवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप महिलाओं, बालिकाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सेफ सिटी परियोजना को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। यह परियोजना प्रदेश के 17 नगर निगमों और गौतमबुद्धनगर में संचालित की जा रही है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को एक सुरक्षित, संरक्षित एवं सहज वातावरण प्रदान करना है। इस परियोजना के तहत महिला सुरक्षा को लेकर कई अभूतपूर्व कदम उठाए गए हैं। इसमें पिंक पुलिस बूथ से लेकर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, डिजिटल प्रचार से लेकर महिला जागरूकता कार्यक्रमों को मजबूती से लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि परियोजना के तहत 17 नगर निगम और गौतमबुद्धनगर में 100 पिंक पुलिस बूथ बनाए गए हैं, जहां महिला पुलिस बल तैनात रहती हैं। इसके साथ ही 100 जीपीएस युक्त पिंक स्कूटी और 10 पिंक एसयूवी वाहन सुरक्षा के लिए लगाए गए हैं। इसके अलावा 1090 और यूपी-112 को इंटरऑपरेटिव बनाया गया है ताकि त्वरित प्रतिक्रिया हो सके। वहीं 1090 कॉल सेंटर में 80 नए टर्मिनल की स्थापना की गई है, जिससे डेटा एनालिटिक्स सेंटर और साइबर सेल मजबूत हो सके। इतना ही नहीं 54,000 लोगों को महिला सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें पुलिसकर्मी, सरकारी व गैर-सरकारी कर्मी, सुरक्षा गार्ड, छात्र-छात्राएं और अध्यापक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर एलईडी वैन, डिजिटल वॉल पेंटिंग, नाटक व वेब प्लेटफॉर्म के जरिए महिला जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। यहां पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए डे-केयर सेंटर की स्थापना की गई है। ब्रेल लिपि में जनसूचना, दिव्यांगों के लिए क्रॉसिंग पर साइनेज, दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए विशेष रैंप बनाए गए हैं। सर्वेक्षण कर 4,150 डार्क स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जहां उचित प्रकाश की व्यवस्था की गई है। 47,422 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। 4,150 संवेदनशील स्थान (हॉटस्पॉट्स) पर प्रभावी पुलिस प्रबंधन की व्यवस्था की गई है। सवेरा योजना के तहत मॉर्निंग वॉक पर जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों से संवाद स्थापित किया जा रहा है। इंटीग्रेटेड स्मार्ट कंट्रोल रूम और सेफ्टी मेजर्स पर आधारित सेफ सिटी बेस्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया गया है। महिला जागरूकता के लिए 'संवाद वेणी' जैसे मोटिवेशनल टॉक कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

तनाव को कम करता है वृक्षासन

लखनऊ। वृक्षासन एक सरल लेकिन शक्तिशाली योग मुद्रा है जो शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए कई लाभ प्रदान करती है। यह आसन शरीर के संतुलन में सुधार करने, मांसपेशियों को मजबूत करने और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है। डा. राम मनोहर लोहिया संस्थान के योगाचार्य डा. ओम नारायण अवस्थी ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि वृक्षासन करने से तनाव और चिंता से राहत मिलती है। उन्होंने बताया कि आसन का अभ्यास प्रशिक्षित योगाचार्य के सानिध्य में ही शुरू करना चाहिए। खड़े होकर करने वाले सभी आसन सम स्थिति और बैठकर करने वाले सभी आसन समतल स्थिति में ही किये जाते हैं। यह आसन पैरों, जांघों और कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूत करता है। एकाग्रता बढ़ाने में सहायक है। तनाव और चिंता कम करता है। रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है और वृक्षासन पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। दाहिने पैर के पंजे को मोड़कर बायीं जांघ पर रखें। दोनों हाथ बाजू में खोले। दोनों हाथों की हथेली को पलटें। श्वास लेते हुए हाथों को ऊपर उठाएं और नमस्कार मुद्रा में जोड़ें। इस स्थिति में कुछ देर रूकें।

योग दिवस पर 'हरित योग' मुहिम से होगा नई चेतना का संचार

- नदी, झीलों के किनारे योगाभ्यास संग वृक्षारोपण और चलेगा स्वच्छता अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

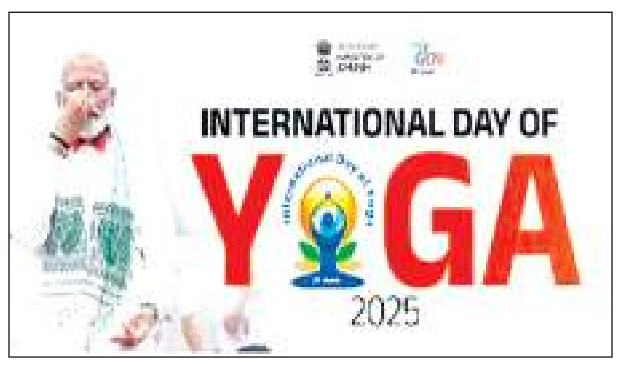

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2025) को सिर्फ एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि पूरे सप्ताह चलने वाले सामाजिक और प्राकृतिक चेतना के पर्व के रूप में मना रही है। इस अभियान में युवाओं की भागीदारी और पर्यावरण की सुरक्षा को दो प्रमुख स्तंभ बनाया गया है। सरकार की दो नवाचारी पहलें 'योग अनप्लग्ड' और 'हरित योग' इस दिशा में विशेष भूमिका निभा रही हैं। प्रदेश सरकार की ओर से शुरू की गई 'योग अनप्लग्ड' पहल खास तौर पर युवा वर्ग को योग के प्रति आकर्षित और सक्रिय करने के लिए तैयार की गई है। इसे पूरी तरह सोशल मीडिया और प्रतिस्पर्धा आधारित मॉडल में ढाला गया है, जिससे छात्रों में उत्साह बना रहे और वे डिजिटल माध्यमों पर भी योग को प्रेरणा स्वरूप अपनाएं। राजकीय आयुष महाविद्यालयों, व्यवसायिक शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों और डिग्री कॉलेजों में यह गतिविधियां चल रही हैं, जिससे प्रदेश के लाखों छात्र इस मुहिम से जुड़ सकें। आयुष मंत्री दयाशंकर दयालु ने मंगलवार को बताया कि योग सप्ताह के इन आयोजनों से प्रदेश की नई पीढ़ी में अनुशासन, स्वास्थ्य और प्रकृति-प्रेम की भावना को नया बल मिलेगा। इसके अलावा, इन गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय निकायों, शैक्षिक संस्थानों और सरकारी महकमे योग के माध्यम से सामाजिक चेतना की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाएंगे। राज्य सरकार ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिलों में कम से कम 2-3 स्थलों को 'हरित योग स्थल' के रूप में विकसित करें, जहां योग, हरियाली और सामुदायिक भागीदारी एक साथ दिखे। 'हरित योग' अभियान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पर्यावरणीय दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है, जिसमें योगाभ्यास को प्रकृति प्रेम से जोड़ा गया है। यह अभियान जन-जन को यह संदेश देता है कि प्रकृति के संरक्षण और आत्मसंयम का संगम ही सच्चा योग है।

ये होंगे प्रमुख आयोजन

भाषण प्रतियोगिता योग के लाभ और मानसिक संतुलन पर आधारित स्पर्धाएं। योग क्रिया प्रदर्शन छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न योगासनों और ध्यान क्रियाओं का लाइव प्रदर्शन। रंगोली, वाद-विवाद और पोस्टर प्रतियोगिताएं। प्राकृतिक स्थलों पर योग सत्र के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान एवं साफ-सफाई कार्यक्रम। प्रदेश के प्रमुख नदी किनारे, झीलों, पार्कों, और अमृत सरोवरों में खुले आसमान के नीचे सामूहिक योग अभ्यास का आयोजन। हर योग सत्र के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया जा रहा है।

परिवहन आयुक्त ने शिकायत का लिया संज्ञान, वैयक्तिक सहायक को हटाया

लखनऊ। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने लखनऊ में संभागीय परिवहन कार्यालय में वैयक्तिक सहायक पद पर तैनात अरूण यादव का हटा दिया है। अरुण यादव को एक सप्ताह के भीतर मीरजापुर के संभागीय परिवहन कार्यालय में ज्वाइन करने के आदेश दिए गए हैं। बता दें कि भाजपा के अर्जुनगंज मंडल के महामंत्री राजन सिंह ने बीती 13 जून को परिवहन आयुक्त को एक पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया था कि समाजवादी पार्टी के नेताओं के संबंधों के दम पर अरूण यादव कई वर्षों से लखनऊ में संभागीय परिवहन कार्यालय में तैनात है और अपनी मनमानी करता आ रहा है। स्थानांतरण नीति के तहत उसका दूसरे जिले में स्थानांतरण नहीं होता है। माना जा रहा है कि भाजपा नेता की शिकायत का ही परिवहन आयुक्त ने संज्ञान लिया है और कई सालों से राजधानी लखनऊ में संभागीय परिवहन कार्यालय में जमे वैयक्तिक सहायक अरूण यादव का स्थानांतरण किया गया है।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि लाएगा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए सड़के रीढ़ का काम करती है। सड़कों के निर्माण होने से संबंधित क्षेत्र का विकास बड़ी तेजी के साथ होता है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र उत्तर प्रदेश का ऐसा क्षेत्र रहा है, जहाँ त्वरित आगमन का अभाव रहा है। पथरीला क्षेत्र होने के कारण क्षेत्र वासियों को कई तरह की कठिनाई आती थी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बुंदेलखंड के विकास के लिए विशेष पैकेज दिये और इस क्षेत्र में सिंचाई के लिए जहां बाधों नलकूपों व तालाबों का निर्माण कराया है वही पेयजल परियोजनाएं पूर्ण कर ग्रामवासियों को जल आपूर्ति की जा रही है। बुन्देलखण्ड क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रदेश सरकार द्वारा बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराना प्रदेश सरकार द्वारा बुन्देलखण्ड वासियों को बहुत बड़ा तोहफा दिया गया है, जिसे उस क्षेत्र की आने बाली पीढ़ी सदैव याद रखेगी। यह एक्सप्रेस-वे बुन्देलखण्ड के जनपद चित्रकूट बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन से गुजरते हुए औरैया व जनपद इटावा में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे में जुड़ जाता है। प्रदेश सरकार बुन्देलखण्ड क्षेत्र के विकास के लिए कृत संकल्पित है। बुन्देलखण्ड वासियों की हर क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि और विकास करना सरकार का ध्येय है। इस क्षेत्र के विकास के लिए जितना ध्यान वर्तमान सरकार ने दिया है उतना पूर्व में किसी में नहीं दिया। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण का शुभारम्भ तथा बनाने के बाद लोकार्पण भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया। यह एक्सप्रेस-वे 296 किमी लम्बा है। यह जनपद चित्रकूट बाँदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया होते हुए इटावा जनपद में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे में मिलता है। अभी यह फोर लेन का है, जिसे आगे चलकर 06 लेन भी बनाया जायेगा। इसमें चार रेलवे ओवरब्रिज, 14 बड़े पुल, सात रैम्प प्लाजा, 268 छोटे पुल, 18 फ्लाई ओवर और 214 अन्डरपास बने है। इस एक्सप्रेस-वे को समयान्तर्गत पूर्ण कर लिया गया है। इस एक्सप्रेस वे के बनने से बुन्देलखण्ड के 138 ग्राम और औरैया व इटावा के 44 ग्रामों का सीधा जुड़ाव हो गया है। इस क्षेत्र के लोगों का चतुर्दिक विकास हो रहा है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के बनने से बुन्देलखण्ड क्षेत्र के किसानों को लाभ मिल रहा है। किसानों को उनकी उपज की फसले मंडियों तक पहुँचाने में शीघ्रता हो रही है। स्थानीय फसल, फल, फूल, सब्जियों, दूध आदि जल्द खराब होने वाली फसलों को बाजारों, मण्डियों तक पहुंचने में शीघ्रता और ताजी होने पर सही मूल्य भी मिल रहा है। यदि किसान अपनी उपज को बाहर की मण्डियों, शहरों में बेचना चाहेगा तो उसका भी उसे फायदा मिलेगा। किसानों को खेती किसानी करने के लिए आवश्यक बीज, खाद आदि भी समय से मिलते रहेंगे। किसानों को उनकी फसल का वाजिब मूल्य मिलने से उनकी आय में बढ़ोत्तरी हो रही है। सांस्कृतिक धरोहर को संजोये हुए बुन्देलखण्ड अपनी एकता और आपसी भाई चारे के लिए जाना जाता है। ऐतिहासिक एवं सौस्कृतिक दृष्टि से बुन्देलखण्ड समृद्ध है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के बनने से पर्यटकों को देखने के लिए झाँसी का किला, ओरछा का किला, चतुर्भुज का मन्दिर, जहाँगीर महल, ओरछा वन्य जीव अभ्यारण, मध्य प्रदेश में पड़ने वाला खजुराहो आदि नजदीक पड़ते है। कालिंजर का किला, चित्रकूट धाम, भरतकूप, राजापुर, कालपी, महोबा, उरई, बटेश्वर आदि ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों को देखने, दर्शन करने के लिए पर्यटक आकर्षित होगें। इस एक्सप्रेस वे के बनने से बुन्देलखण्ड पर्यटन का हब बन रहा है। पर्यटन को बढ़ावा मिलने से स्थानीय लोककला, लोकसंस्कृति, स्थानीय निर्मित वस्तुएं, दस्तकारी, परिवहन, स्थानीय खाद्य वस्तुओं आदि को बढ़ावा मिलेगा और लोगों की आर्थिक प्रगति के साथ ही रोजगार भी मिलेंगे ।

जातीय जनगणना का काम पूरी ईमानदारी से हो: मायावती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने मंगलवार को कहा कि देशहित में जातीय जनगणना का काम ईमानदारी पूर्वक होना चाहिये। सुश्री मायावती ने एक्स पर पोस्ट किया कि राष्ट्रीय व जातीय जनगणना का भी काम कंग्रेस के समय से लटका पड़ा था। काफी आवाज़ उठाने के बाद अब इस मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में अब समय से ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। उन्होने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्र शासित सरकार ने अपनी 11 सालों की उपलब्धियों का बखान जोर शोर से किया है मगर केंद्र की नीतियां महंगाई,बेरोजगारी और देश हित में कितनी कारगर साबित हुयी है, इसका फैसला खुद जनता करेगी। बसपा अध्यक्ष ने कहा ल्ल जपा ने केन्द्र में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के बारे में जो अपार उपलब्धियाँ वर्णित की हैं वे जमीनी हकीकत में लोगों की गरीबी, बेरोजगारी, दुख-दर्द आदि दूर करने अर्थात जन व देशहित में कितनी लाभदायक रही हैं, सही समय आने पर जनता खुद उनका जवाब दे देगी, जिसकी पूरी उम्मीद। उन्होने कहा देश में राष्ट्रीय व जातीय जनगणना का भी कार्य कांग्रेस के समय से लटका पड़ा था, जिसपर काफी आवाज़ उठाने के बाद अब इस मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में अब समय से ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। केन्द्र इस पर ध्यान दे। सुश्री मायावती ने कहा इन मामलों में पार्टी के लोगों को सही तथ्यों से अवगत कराने व उन्हें सजग करने के साथ ही पार्टी के संगठन से सम्बन्धित दिये गए कार्यों की समीक्षा उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की भी छोटी-छोटी बैठकों के ज़रिए विचार-विमर्श लगातार जारी व पार्टी हित में इन पर पूरा ध्यान ज़रूरी।

जन सुनवाई के दौरान अब तक मौके पर बने 75 आयुष्मान कार्ड

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने बड़ी संख्या में लोगों की समस्याओं को सुना। आज जन सुनवाई में कुल 95 शिकायतें आयीं जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को दिए। जन सुनवाई में मौके पर ही वंचित पात्र लोगों वृद्धावस्था, विधवा व दिव्यांग पेंशन बनवायी गयी। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाये गए। आज कुल 03 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बने। जिलाधिकारी अनुनय झा के आने के बाद जन सुनवाई में ही कुल 75 बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने जन सुनवाई के दौरान अधिशाषी अधिकारी को बुलाकर निर्देश दिए कि कूड़े का उठान समय से सुनिश्चित कराया जाये। कूड़े में आग लगाने की घटनाएं न होने पाएं। कलेक्ट्रेट परिसर की सफाई प्रात: काल ही करा ली जाये। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि अंश निर्धारण व बटवारे के प्रकरणों में अनावश्यक विलम्ब न किया जाये। भूमि विवाद के प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई की जाये। चकरोड से अवैध कब्जे हटवाए जाएं। वरासत के प्रकरणों को लंबित न रखा जाये। कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के भुगतान में देरी न की जाये। एक वृद्ध विधवा महिला जब जन सुनवाई में पहुँची और बताया कि उन्हें न तो कोई पेंशन मिलती और न उनका आयुष्मान कार्ड बना है। जिलाधिकारी ने उनका तत्काल आयुष्मान व वृद्धावस्था पेंशन बनवायी। उन्होंने पेंशन से सम्बंधित विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि जिन पात्रों ने अभी पेंशन के लिए आवेदन नहीं किया है, उनको तत्काल आवेदन कराया जाये। जन सुनवाई में एक दिव्यांग ऐसा पहुँचा जो बिल्कुल भी चल फिर नहीं सकता था, जिलाधिकारी ने स्वयं उसके पास जाकर उसकी समस्या पूछी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी गरिमा सिंह व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शिविरों एवं दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन का दायित्व समन्वय समिति का होगा: अनुनय झा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलाधिकारी अनुनय झा ने अवगत कराया है कि दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एवं उनके समग्र पुनर्वासन हेतु शासन के निर्देशानुसार जनपद समन्वय समति का गठन किया गया है। उन्होने बताया कि समिति में जिलाधिकारी अथवा उनके द्वारा नामित अधिकारी अध्यक्ष तथा मुख्य विकास अधिकारी/ जिला विकास अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी अथवा उनके द्वारा नामि अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी को सदस्य और जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सदस्य/सचिव होगें।

■ दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन एवं उनके समग्र पुनर्वासन हेतु समन्वय समिति गठित: डी0एम0

जिलाधिकारी ने कहा कि गठित समिति पर दिव्यांगजनों के हितार्थ संचालित लाभार्थी परक योजनाओं के शिविरों के साथ-साथ दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन कराने का दायित्व होगा और लाभार्थीपरक योजनाओं के शिविरों के आयोजन हेतु तिथि एवं समय के निर्धारण, शिविरों के सफलता पूर्वक आयोजन एवं विभिन्न माध्यमों से क्षेत्र में शिविरों के आयोजन के सम्बन्ध में सूचना तथा व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए मुख्य विकास अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

पूर्व ग्राम प्रधान/महामंत्री व्यापार मंडल ने मंगलवार को गोपी मार्केट में विशाल भण्डारा का किया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। प्रभु भगवान की भक्ति में पूर्व ग्राम प्रधान व महामंत्री व्यापार मंडल अवधेश गुप्ता ने मंगलवार को गोपी मार्केट में विशाल भण्डारा का आयोजन किया। जिसमें पुरुष महिलाओं बच्चों ने प्रसाद पूड़ी सब्जी का आनंद उठाया। कलयुग में हनुमान जी की मानव जाति पर विशेष कृपा है। वह साहस, भक्ति और शक्ति का प्रतीक माने जाते हैं। हिंदुओं के आराध्य देवता हैं। यह चिरंजीवी चिरकाल तक जीवित रहने वाले माने जाते हैं। वह हर युग में यश है, वह बुराई को हराकर अच्छाई स्थापित करते हैं। पूर्व ग्राम प्रधान व व्यापार मंडल महामंत्री अवधेश गुप्ता ने मंगलवार को गोपी मार्केट में विशाल भण्डारा का आयोजन किया। उन्होंने विधि विधान पूर्वक पूजन कर कन्याओं को पहले प्रसाद ग्रहण कराया, उसके बाद भण्डारा का शुभारंभ हुआ। पूर्व ग्राम प्रधान अवधेश गुप्ता ने बताया भूखे को भोजन करना सबसे बड़ा धर्म है, जब तक हमारा पड़ोसी कोई भूखा सोया है, हमारा धर्म हैं कि उसे भोजन कराने के बाद ही हमें सोना चाहिए। इस तरह के आयोजन से आध्यात्मिक खुशी मिलती है। मनुष्य के अंदर जाति पांति ऊंच नीच की भावना दूर होती है। एक दूसरे से प्रेम भाव बढ़ता है। सामाजिक समरसता बढ़ती है।

इस अवसर पर ओमप्रकाश गुप्ता, मण्डल अध्यक्ष मयंक सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष रवि गुप्ता, सर्वेन्द्र गुप्ता, संजीव गुप्ता, राजीव गुप्ता, विपुल गुप्ता अखिलेश गुप्ता, श्रवण कुमार सब्जी विक्रेता, ग्राम प्रधान बलबीर सिंह, संतोष सिंह निवासी पुरवा, डॉक्टर कमलेश कुमार, महिला समूह रीता वर्मा, मनोज गुप्ता, पंकज यादव, अखिलेश वर्मा, विजय चौरसिया, कुलदीप चौरसिया, रमेश मौर्य, नीरज सिंह व कछौना कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

चौराहे पर जाम का झाम होमगार्डो के सहारे यातायात व्यवस्था

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। बिल्हौर कटरा मार्ग चौराहे पर वाहनों की लगते जाम से लोग परेशान है। दिन भर में एक दर्जन से अधिक बार लगने वाले वाहनों की जाम से आस पास के दुकानदार भी त्रस्त है। यातायात में लगाई गई पुलिस कही नजर नही आ रही है। कुछ होमगार्ड वाहनों की जाम की व्यवस्था संभाल रहे है।

कस्बे के प्रमुख चौराहे से सदर बाजार, कन्नौज मार्ग वाया मटिया मऊ, मल्लावां, बिलग्राम, सीतापुर को जाने के लिए मार्ग गए है। इन मार्गो से रात दिन सैकड़ो की संख्या में आवागमन रहता है। मंडी को जाने के लिए किसानों को अपनी उपज को लेकर इसी चौराहे से होकर गुजरना पड़ता है। दुकानदार उमेश कुमार, बन्ने, सुशील कुमार, रामू आदि ने बताया कि सुबह से लेकर देर रात तक 12 से 15 बार जाम लग जाती है। जिससे वाहनों में फंसे लोग चिलचिलाती गर्मी परेशान होना पड़ता है साथ ही यात्री अपने गंतव्य तक समय से नही पहुंच पाता है। जाम में कई बार एम्बुलेंस भी फंस जाती है जिससे मरीज की जिंदगी जोखिम में पड़ जाती है। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए एक उपनिरीक्षक व चार आरक्षी की तैनाती की गई है। लेकिन जाम के समय होमगार्ड के अलावा कोई नजर नही आया। जानकारों ने बताया कि यातायात से जुड़े कर्मी बघौली मार्ग क्रासिंग के आगे वाहन की जांच कर रहे है। ये कर्मचारी दिन में रुदा मऊ तिराहा, सेलापुर मार्ग, फरहत नगर आदि स्थानों पर जांच के नाम पर खाना पूर्ति कर रहे है।

जिलाधिकारी ने किया प्रेस प्रतिनिधियों से संवाद

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा ने विभिन्न मुद्दों पर जनपद के मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया। उन्होंने मीडिया बन्धुओं के सामने अब तक की अपनी प्रस्तावित कार्य योजनाओं के बारे में बताया तथा मीडिया बंधुओ से इस पर राय मांगी। उन्होंने जल भराव के बारे में मीडिया बंधुओ से पूछा कि किन नालों की सफाई से जल भराव की समस्या में महत्वपूर्ण कमी लाई जा सकती है। इसके अलावा जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के प्रचार प्रसार के लिए मीडिया बन्धुओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने सुखेता नाले के संबंध में भी मीडिया बंधुओ की राय ली। जिला अधिकारी ने एचसीएल और प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में चलाई जाने वाले क्लीन हरदोई प्रोग्राम के बारे में मीडिया प्रतिनिधियों को बताया। उन्होंने गाँधी भवन में गाँधी हाट के विकास के बारे में बताया जिसमें एक वेंडिंग जोन विकसित करने की बात रखी। पत्रकार बंधुओ ने भी विभिन्न मुद्दों पर जिलाधिकारी के समक्ष अपने विचार रखे।

आरसीसी मार्ग के दोनों साइड में इंटरलॉकिंग बनवाये जाने की मांग व्यापारी नेता ने की

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर में आरसीसी मार्ग के किनारे दोनों ओर इंटरलॉकिंग साइड बनवाए जाने के लिए व्यापारी नेता ने

जिलाधिकारी को पत्र भेजा। उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष नवल माहेश्वरी ने जिलाधिकारी को भेजे पत्र में कहा कि कस्बे के चौराहे से सदर बाजार में तिकोनिया पार्क तक आरसीसी मार्ग बना दी गई। मार्ग की चौड़ाई 3 मीटर बनी जबकि मार्ग 5 मीटर के लगभग चौड़ा है। आस पास के बचे मार्ग अधिक नीचे होने के कारण बाइक व चार पहिया वाहन नीचे नही उतार पाते है। जिससे वाहनों का निकलना मुश्किल हो जाता है। आरसीसी सड़क व सड़क के दोनों ओर साइड इंटरलॉकिंग का ठेका अलग अलग हुआ है। जिससे जाम की स्थिति बन जाती है कभी कभी गाड़ी निकालने के चक्कर मे गाड़ी सड़क से नीचे उतर जाती है जिससे गाड़ी व सड़क टूटने का खतरा बना रहता है। 15 से 20 दिन पहले तिकुनिया पार्क से क्रासिंग तक जेसीबी से सड़क की खुदाई कर दी गयी लेकिन निर्माण कार्य अभी तक शुरू नही किया गया। बरसात से पहले सड़क निर्माण का कार्य गुणवत्ता से कराने की मांग की है।

ट्रैक्टर की टक्कर से किसान की मौत

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। खेत से घर जा रहे साइकिल सवार किसान को पीछे से आ रहे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दिया। टक्कर लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के गांव इस्लाम पुर जगाई निवासी राज बहादुर (६२) पुत्र मूलचंद सोमवार की रात लगभग ०८:०० बजे माधौगंज मटियामऊ मार्ग पर अपने खेत से घर जा रहा था। गौरव सोनी के खेत के निकट पीछे से आ रहे ट्रैक्टर ने उसकी साइकिल को टक्कर मार दिया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई।

बोरे पर अंकित मूल्य के अनुसार कृषकों को उर्वरक मिलेगी: जिला कृषि अधिकारी

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला कृषि अधिकारी सतीश कुमार पाठक ने बताया है कि आज 17 जून 2025 को जनपद मे सहकारिता क्षेत्र की साधन सहकारी समितियों पर यूरिया 3271 मी0टन, डी0ए0पी0 1045 मी0टन, एन0पी0के0 227 मी0टन तथा निजी क्षेत्र के अन्तर्गत खुदरा उर्वरक विक्रेताओं के पास यूरिया 34147 मी0टन, डी0ए0पी0 4187 मी0टन, एम0ओ0पी0 (पोटास) 465 मी0टन, एन0पी0के0 2288 मी0टन एवं 1028 मी0टन टन एस0एस0पी0 उर्वरक उपलब्ध है। शासन द्वारा कृषकों को उर्वरक हेतु निर्धारित दर क्रमशः यूरिया-रू0 266.50, डी0ए0पी0-रू0 1350, चम्बल फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स लि0 की एन0पी0के0 (12रू32रू16) रू0 1700, पारादीप फास्फेट लि0 कम्पनी की एन0पी0के0 (20रू20रू0रू13) रू0 1350, आर0सी0एफ0 कम्पनी की एन0पी0के0 (20रू20रू0रू13) रू0 1400 एवं अन्य कम्पनियों की एन0पी0के0, पोटास एवं एस0एस0पी0 बोरे पर अंकित मूल्य के अनुसार कृषकों को देय है। यदि किसी खुदरा उर्वरक विक्रेता द्वारा किसी कृषक को निर्धारित दर एवं बोरे पर अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर उर्वरक की बिक्री करता है तो जिलाधिकारी के कन्ट्रोल रूम नम्बर 05852-299155, 05852-299156 एवं 05852-299157 पर शिकायत दर्ज करा सकते है और जांच में दोषी पाये जाने वाले उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

■ जांच में दोषी पाये जाने वाले उर्वरक विक्रेता के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी: सतीश

खादी ग्रामोद्योग विभाग

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सुष्मिता सिंह ने बताया है कि उ0प्र0 माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित माइक्रो माटीकला फैसिलिटी सेण्टर योजना अन्तर्गत खादी बोर्ड से पंजीकृत माटीकला सहकारी समितियों के सी0एफ0सी0 स्थापना हेतु प्रस्ताव तैयार कराने के लिये जिला ग्रामोद्योग कार्यालयए सिनेमा चौराहा हरदोई से दिनांक 30 जून 2025 तक किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क कर विस्तृत दिशा-निर्देश एवं पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते है।

युवाओं को कृषि में भागीदारी बढ़ाते हुये संरक्षित खेती में भी आना होगा: धमेन्द्र सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विकासखण्ड बावन के बाबा आदिनाथ मंदिर परिसर, बावन में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम, सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) तथा त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र सिंह, प्रतिनिधि ब्लाक प्रमुख, बावन द्वारा दीप प्रज्जवलन करके एवं कृषक रामरूप, श्रवण सिंह, हरिश्चन्द्र, अनूप, देशराज, राजवीर सिंह, श्याम सिंह, श्री कलक्टर, फुरकान, शैलेन्द्र, अभिषेक, कमलेश को नि:शुल्क बीज मिनीकिट वितरित करते हुये किया गया। उक्त मौके पर धर्मेन्द्र सिंह, प्रतिनिधि ब्लाक प्रमुख, बावन द्वारा कृषकों को सम्बोधित करते हुये कहा कि आने वाला समय कृषि में युवाओं का है। युवाओं को कृषि में भागीदारी बढ़ाते हुये संरक्षित खेती में भी आना होगा। पॉली हाउस, नेट हाउस, लो-टनल, ड्रिप के माध्यम से खेती में नवाचार कर अधिक आय का सृजन होगा। उक्त के अतिरिक्त सरकार द्वारा कृषकों के हित में चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी दी। डी0बी0 सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदोई द्वारा कृषकों को श्री अन्न की बुवाई के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा श्री अन्न की फसलों में लगने वाले रोग एवं कीट तथा उनकी प्राकृतिक/जैविक विधि से नियंत्रण के बारे में जानकारी दी गयी। अनुराग सिंह, सहायक विकास अधिकारी (कृषि), बावन द्वारा कृषकों को खरीफ फसलों की उन्नत किस्में एवं बीज उपचार विधि, डी0एस0आर0 विधि से धान बीज की बुवाई तथा जैविक खेती पद्धतियों, सिंचाई प्रबन्धन और जल संरक्षण के उपाय बताये गये तथा पीएम-किसान, फार्मर रजिस्ट्री, फसल बीमा, डिजिटल क्राप सर्वे आदि की जानकारी कृषकों को दी गयी। उक्त कार्यक्रम में लालता प्रसाद मिश्र, सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा), बावन द्वारा कृषकों को मृदा परीक्षण की आवश्यकता और उसके आधार पर उर्वरक प्रबन्धन की जानकारी दी गयी। मृदा परीक्षण द्वारा हम खेत की मिट्टी में पोषक तत्वों की स्थिति जान सकते हैं तथा उसी आधार पर संतुलित उर्वरक प्रयोग कर कृषक अपनी फसल की उपज व गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं। उक्त कार्यक्रम में राजेश सिंह, प्रधान नेवादा एवं कृषि विभाग के समस्त कर्मचारी एवं काफी संख्या में कृषक भाई उपस्थित रहे। अत: कार्यक्रम के अन्त में अनुराग सिंह, सहायक विकास अधिकारी (कृषि), बावन द्वारा आये हुये किसानों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुये कार्यक्रम का समापन किया गया। उक्त के अतिरिक्त विकासखण्ड साण्डी के खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में भी कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम तथा त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अनिल राजपूत, ब्लाक प्रमुख, शाहाबाद द्वारा दीप प्रज्जवलन करके किया गया तथा कृषक जितेन्द्र, नीरु पाठक, रामासरे, वीरमती, मीना, मीनू देवी, रेखा देवी, राधिका, शशि देवी, ऊषा देवी को नि:शुल्क बीज मिनीकिट वितरित की गई।

उक्त कार्यक्रम के अवसर पर सतीश कुमार पाण्डेय, उप कृषि निदेशक, हरदोई ने कृषकों को सम्बोधित करते हुये धान, मक्का, बाजरा, उड़द, मूंग, तिल आदि खरीफ फसलों की वैज्ञानिक विधियों से खेती के बारे में विस्तृत जानकारी दी साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि यंत्रों पर अनुदान, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, फसल बीमा योजना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओ की जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम के अवसर पर डा0 ए0के0 तिवारी, अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र ने कृषकों को श्री अन्न (मिलेट्स) की खेती हेतु बीज, उर्वरक, कीटनाशक, सिंचाई जल आदि कृषि निवेशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी साथ ही अवगत कराया कि मिलेट्स शुष्क क्षेत्रों और कम उपजाऊ भूमि में भी अच्छी उपज दे सकते हैं तथा इनमें सूखा सहन करने की क्षमता होती है। कृषि विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा किसानों को वैज्ञानिक तरीकों से खेती करने के लिये प्रोत्साहित किया गया कर्मचारियों द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजनाओं की जानकारी भी दी गई। उक्त कार्यक्रम के मौके पर कृषि विभाग के समस्त कर्मचारियों सहित भारी संख्या में कृषक भाई उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई ग्राम्य विकास व पंचायती राज विभाग की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में नरेगा, 15वें वित, राज्य वित्त, केंद्रीय वित्त, स्वच्छ भारत मिशन, एनआरएलएम व नदियों के जीर्णोद्धार के सम्बन्ध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में जिन बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र अभी तक नहीं बना है, उनका जन्म प्रमाण पत्र बनाने के लिए 24 जून से चार दिन का अभियान चलाया जाये। कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों में बाउंड्री के ऊपर तार फेंसिंग का कार्य जल्द पूरा किया जाये। ऑपरेशन मैदान के अंदर कार्य जल्द प्रारम्भ कराया जाये। अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाये। ऐसे स्कूलों को पहले लिया जाये जिसमें पर्याप्त जगह हो। निर्माणाधीन आँगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण तेजी से कराया जाये। काम में लापरवाही करने वाले ठेकेदारों को काली सूची में डाला जाये। आँगनबाड़ी केंद्रों में पेयजल की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। बाल मैत्री शौचालय व सामान्य मरम्मत का कार्य जल्द कराया जाये। निर्माणाधीन अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण जल्द पूरा किया जाये। सभी अवशेष गौशालाओं को अनिवार्य रूप से जनपदस्तरीय कंट्रोल रूम से कनेक्ट कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। मनरेगा के अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप मानव दिवसों का सृजन सुनिश्चित किया जाये। 20 से 30 जून तक सभी विकास खण्डो में दिव्यांगों के चिन्हीकरण के लिए कैम्प लगाए जाएं। चिन्हित पात्र निराश्रित महिलाओं की पेंशन बनवाने का कार्य जल्द कराया जाये। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत कम युवाओं के चिन्हीकरण को लेकर बीडीओ कछौना, पिहानी व शाहाबाद से कड़ी नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप पात्रों को मुख्यमंत्री आवास योजना से आच्छादित कराया जाये। प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास सर्वे के अंतर्गत सेल्फ सर्वे का सत्यापन कार्य जल्द पूरा किया जाये। फेमिली आईडी बनाने के कार्य में तेजी लायी जाये। एनआरएलएम की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि समूह गठन में तेजी लायी जाये। सभी समूहों का खाता खुलवाया जाये। किसी भी लापरवाही पर सम्बंधित डीएमएम व बीएमएम की जवाबदेही तय की जाये। स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत शौचालयों के आवेदनों के सत्यापन में देरी न की जाये। पात्रता की अच्छी तरह से जाँच की जाये। निर्माणाधीन अंत्येष्टि स्थलों का निर्माण जल्द पूरा कराया जाये। विद्यालयों में साफ सफाई की व्यवस्था को बेहतर बनाया जाये। तृतीय पक्ष द्वारा सफाई की निगरानी की जाये। निर्माणाधीन आरआरसी केंद्रों का कार्य जल्द पूरा किया जाये। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन में महिला स्वयं सहायता समूह को लगाया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

योग मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से लाभ पहुंचता है: प्रियंका सिंह

05. आज योग सप्ताह के अंतर्गत कलेक्ट्रेट में अपर जिला अधिकारी प्रियंका सिंह जी एवं जिला अपर मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल त्रिपाठी जी आदि बहुत से कर्मचारियों बाई ब्रेक योग (कुर्सी पर बैठकर) का अभ्यास किया जिसमें आयुष विभाग की प्रशिक्षिका ज्योति शिखा ने सभी को कुर्सी पर बैठकर ताड़ासन स्कंद खिंचाव स्कंद संचालन भस्त्रिका कपालभाति अनुलोम विलोम भ्रामरी ओम का उच्चारण और ध्यान का अभ्यास करवाया सभी ने बहुत ही अच्छी तरीके से अभ्यास को किया पतंजलि महिला जिला प्रभारी विनीता पांडे ने बताया की योग का हमारे जीवन में बहुत महत्व है योग के द्वारा व्यक्ति निशुल्क अपना उपचार कर सकता है यह मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से लाभ पहुंचता है शांति पाठ करके योग सत्र का समापन किया गया।

लवायु संकट और 'इको विलेज'

शहरीकरण और उपभोक्तावाद की बढ़ती संस्कृति ने पृथ्वी को संकट में डाल दिया है। आधुनिक जीवनशैली की यह होड़ हमारे पर्यावरण पर विनाशकारी प्रभाव छोड़ रही है। ऐसे में इको- विलेज यानी पारिस्थितिकी गांव एक नए विकल्प के रूप में उभर रहे हैं, जो टिकाऊ जीवनशैली, आत्मनिर्भरता और पर्यावरणीय संतुलन को बढ़ावा देते हैं। दुनिया का पहला इको-विलेज स्काटलैंड के मोरे में 1985 में स्थापित किया गया था। इस इको- विलेज को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यहां सभी आवश्यक सुविधाएं और सेवाएं केवल 20 मिनट की पैदल या साइकिल की दूरी पर उपलब्ध हैं। इससे लोग निजी वाहनों के प्रयोग से कतराते हैं। एक इको-विलेज पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सामंजस्य और व्यक्तिगत कल्याण को बढ़ावा देने की भावना पर केंद्रित होता है। ये लोगों को पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। भारत में भी ऐसे कई इको- विलेज हैं, जो पर्यावरणीय स्थिरता और आत्मनिर्भरता दोनों प्रदान करते हैं। राजस्थान का पिपलांत्री, नगालैंड का खोनोमा, तमिलनाडु का आरोविल देश के इको-विलेज के कुछ सफल उदाहरण हैं। पिपलांत्री में बेटी के जन्म पर पौधे लगाने की परंपरा ने गांव को आर्थिक एवं पर्यावरणीय रूप से आत्मनिर्भर बनाया है। इसी तरह नगालैंड स्थित खोनोमा को एशिया का पहला हरित गांव बनने का गौरव हासिल है। जैविक खेती, प्रभावी जल प्रबंधन और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देकर यह गांव आज सफल इको- विलेज के रूप में स्थापित हो चुका है। इसी तरह तमिलनाडु का आरोविल गांव जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के प्रति अहिंसा की भावना का विकास कर सह-अस्तित्व कायम करने में जुटा है। इको-विलेज इस अवधारणा पर कार्य करता है कि इंसानी जीवनशैली से पर्यावरण को हानि न हो। यह लोगों को कम कार्बन जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है। इससे स्थानीय हवा, पानी और मिट्टी की स्वच्छता और शुद्धता कायम रहती है। गांवों को इको-विलेज बनाने की आवश्यकता इसलिए भी अधिक है कि इको-विलेज आत्मनिर्भरता का विकास करने और स्वच्छ पर्यावरण के विकास और जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने का अहम माध्यम साबित हो सकते हैं। आज अधिकांश गांवों ने शहर का स्वरूप ले लिया है। शहरी सुविधाओं की सुलभता ग्रामीण जीवन की सादगी और प्रकृति के साथ जुड़ाव को कहीं पीछे छोड़ दिया है। नतीजतन, पारंपरिक संसाधन-आधारित जीवनशैली, जो कभी पर्यावरण के अनुरूप हुआ करती थी, अब उपभोक्तावादी प्रवृत्तियों की भेंट चढ़ रही है। ऐसे में इको-विलेज की अवधारणा न केवल एक टिकाऊ विकल्प प्रस्तुत करती है, बल्कि यह हमें हमारी जड़ों से भी जोड़ती है।

आपकी जेब में स्मार्टफोन रूपी 'परजीवी'

आज स्मार्टफोन हमारी दिनचर्या का एक अभिन्न हिस्सा बन चुका है। इस छोटे से उपकरण ने हमारे दैनिक जीवन को काफी सुविधाजनक बनाया है। लेकिन हर चमकती चीज सोना नहीं होती ! एक हालिया अध्ययन के अनुसार, यह केवल एक मददगार डिवाइस भर नहीं रह गया है, यह एक ऐसे 'परजीवी' का रूप ले चुका है, जो हमारा समय, ध्यान और मानसिक शांति चुपके से चूस लेता है। स्मार्टफोन के इस दोहरे चरित्र और उसके परजीवी रूप पर दो आस्ट्रेलियाई विज्ञानियों राचेल एल. ब्राउन और राब ब्रूक्स ने 'आस्ट्रेलियन जर्नल आफ फिलासफी' में एक शोधपरक आलेख लिखा है। इस लेख में उन्होंने यह तर्क दिया है कि स्मार्टफोन समाज के लिए विशिष्ट प्रकार के जोखिम की वजह बनते हैं, जो परजीविता के दृष्टिकोण से देखने पर और भी जाहिर हो जाता है। लेखकों के अनुसार, 'जूं, पिस्सू और टेपवर्म मानव के विकास क्रम में हमारे साथी रहे हैं। फिर भी, आधुनिक युग का सबसे बड़ा परजीवी खून चूसने वाला कोई जीव नहीं है। यह अपनी लत लगाने वाली वस्तु है। इसका मेजबान आज हर इंसान बन चुका है। यह टेक कंपनियों व उनके विज्ञापनदाताओं के हित में है। वर्ष 1921 में प्रख्यात विचारक क्रिशचियन लुइस लैंग ने चेताते हुए कहा था, ''तकनीक एक उपयोगी नौकर है, लेकिन एक खतरनाक मालिक है।'' उन्होंने यह बात तब कही थी जब न तो कंप्यूटर आम उपयोग में थे, न ही इंटरनेट की कोई कल्पना की गई थी। आज उनकी यह बात पहले से कहीं अधिक सटीक प्रतीत होती है। आज लैपटाप, टैबलेट और स्मार्टफोन जैसे उपकरण हमारी दिनचर्या में इस तरह घुल-मिल चुके हैं। कि इनसे दूरी बना पाना लगभग असंभव लगता है। हम इनके गुलाम बन गए हैं। स्क्रीन बार-बार देखे बिना हमें चैन नहीं मिलता। इसका खामियाजा हमें कई रूपों में भुगतना पड़ता है- अनिद्रा, सामाजिक संबंधों की गहराई में कमी और मानसिक स्थिति में चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएं उभरना। डिजिटल जुड़ाव ने हमारे असली जीवन से दूरी पैदा कर दी है। जैसे-जैसे स्मार्टफोन हमारी दिनचर्या का हिस्सा बनते गए, उनमें प्रयुक्त एप्स भी यूजर्स की आवश्यकताओं के बजाय विज्ञापनदाताओं के हितों की सेवा में लगने लगे। इन्हें इस तरह डेवलप किया गया है। कि वे हमारे व्यवहार को प्रभावित करें, हमें लगातार स्क्राल करते रहने, विज्ञापनों पर ध्यान देने और उनमें उलझे रहने के लिए बाध्य करें। यह तकनीकी हस्तक्षेप खुले रूप में नहीं, बल्कि बहुत ही सूक्ष्म ढंग से होता है। हमारा आकर्षण किसी संयोग का नतीजा नहीं होता, बल्कि इसके पीछे एक पूरी प्रणाली काम कर रही होती है जो हमारे व्यवहार का अनुमान लगाकर हमें उसी दिशा में प्रेरित करती है। जरूरत यह समझने की है कि तकनीक हमारे लिए बनी है, हम उसके लिए नहीं।

पवन ऊर्ज़ा क्षेत्र और तीन प्रमुख चुनौतियां

मुकुंद

वैश्विक पवन ऊर्ज़ा दिवस पर आयोजित सम्मेलन के संदर्भ में भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्र सरकार के निरंतर नीतिगत समर्थन से पवन ऊर्ज़ा क्षेत्र ने पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्ज़ा मंत्रालय के तत्वाधान में बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार के प्राधिकरणों, डिस्कॉम, सीपीएसयू, पवन उद्योग, शिक्षाविदों, प्रमुख विचारकों, प्रमुख हितधारकों आदि की भागीदारी से देश में पवन ऊर्ज़ा विकास की प्रगति सहित प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में पवन स्वतंत्र विद्युत उत्पादक संघ (डब्ल्यूआईपीपीए), भारतीय पवन टरबाइन निर्माता संघ (आईडब्ल्यूटीएमए) और भारतीय पवन ऊर्ज़ा संघ (आईडब्ल्यूपीए) का भी सहयोग रहा। केंद्रीयमंत्री जोशी ने कार्यक्रम में मौजूद हितधारकों को संबोधित किया। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि पवन ऊर्ज़ा नवीकरणीय ऊर्ज़ा क्षेत्र के लिए भारत की रणनीति के केंद्र में है। जोशी ने कहा कि वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के लिए भारत को ऊर्ज़ा की अधिक आवश्यकता है, चाहे वह सौर ऊर्ज़ा हो, पवन ऊर्ज़ा हो या ऊर्ज़ा का कोई अन्य स्वरूप हो।

देश में बिना बाधा के बिजली आपूर्ति में पवन ऊर्ज़ा का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। इस दिशा में मोदी सरकार पूरी ईमानदारी से प्रयासरत है। सरकार मानती है कि इस क्षेत्र में कई चुनौतियां हैं। इनसे पार पाने के बाद ही स्थिति में क्रांतिकारी परिवर्तन आ सकता है। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्ज़ामंत्री प्रह्लाद जोशी ने 15 जून को बेंगलुरु में वैश्विक पवन ऊर्ज़ा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में पवन ऊर्ज़ा क्षेत्र के लिए तीन चुनौतियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, हमें 24 घंटे बिजली और ग्रिड स्थिरता प्रदान करने के लिए पवन को सौर और भंडारण (बीईएसएस) के साथ जोड़ना होगा। दूसरा, शुल्क प्रतिस्पर्धी होना चाहिए। 3.90 रुपये प्रति यूनिट की दर बहुत अधिक है। हमें लागत कम करने के लिए मिलकर काम करना होगा। तीसरा, घरेलू विनिर्माण को और अधिक कुशल बनना होगा। साथ ही अपने लक्ष्यों को पूरा करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहन भी देना होगा। वैश्विक पवन ऊर्ज़ा दिवस पर आयोजित सम्मेलन के संदर्भ में भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) की विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्र सरकार के निरंतर नीतिगत समर्थन से पवन ऊर्ज़ा क्षेत्र ने पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित की है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्ज़ा मंत्रालय के तत्वावधान में बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में केंद्र और राज्य सरकार के प्राधिकरणों, डिस्कॉम, सीपीएसयू, पवन उद्योग, शिक्षाविदों, प्रमुख विचारकों, प्रमुख हितधारकों आदि की भागीदारी से देश में पवन ऊर्ज़ा विकास की प्रगति सहित प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में पवन स्वतंत्र विद्युत उत्पादक संघ (डब्ल्यूआईपीपीए), भारतीय पवन टरबाइन निर्माता संघ (आईडब्ल्यूटीएमए) और भारतीय पवन ऊर्ज़ा संघ (आईडब्ल्यूपीए) का भी सहयोग रहा। केंद्रीयमंत्री जोशी ने कार्यक्रम में मौजूद हितधारकों को संबोधित किया। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि पवन ऊर्ज़ा नवीकरणीय ऊर्ज़ा क्षेत्र के लिए भारत की रणनीति के केंद्र में है। जोशी ने कहा कि वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने के लिए भारत को ऊर्ज़ा की अधिक आवश्यकता है, चाहे वह सौर ऊर्ज़ा हो, पवन ऊर्ज़ा हो या ऊर्ज़ा का कोई अन्य स्वरूप हो। कार्यक्रम में जोशी ने यह कहकर चिंता कम की कि भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य महत्वाकांक्षी और स्पष्ट हैं। वर्ष 2030 तक हमारी बिजली क्षमता का 50 प्रतिशत हिस्सा गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से होगा। वर्ष 2070 तक भारत शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला देश बन जाएगा। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के में पवन ऊर्ज़ा की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। पवन ऊर्ज़ा अक्षय ऊर्ज़ा रणनीति का घटक नहीं है, लेकिन यह इसके दिल में है और आत्मनिर्भर भारत के केंद्र में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें 'विनिर्माण के लिए अक्षय ऊर्ज़ा और घरेलू खपत के लिए पारंपरिक ऊर्ज़ा' का एक दृष्टिकोण दिया है। हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण अक्षय ऊर्ज़ा उत्पादन, भंडारण और उपयोग के महत्व पर बल देता है, ताकि जब भारत निकट भविष्य में वैश्विक विनिर्माण केंद्र बन जाए, तो वह अक्षय ऊर्ज़ा स्रोतों के माध्यम से विनिर्माण क्षेत्र की ऊर्ज़ा मांगों को पूरा करने में सक्षम हो सके। जोशी ने कहा कि भारत में अक्षय ऊर्ज़ा क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, क्योंकि इसकी विश्व स्तर पर चौथी सबसे बड़ी पवन ऊर्ज़ा स्थापित क्षमता है और यह तीसरा सबसे बड़ा अक्षय ऊर्ज़ा उत्पादक है। उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि भारत 10 वर्ष में अक्षय ऊर्ज़ा का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन जाएगा, लेकिन आज यह एक वास्तविकता है। सरकार इस क्षेत्र को पूरी गंभीरता से सहायता प्रदान कर रही है। इस वर्ष अक्षय ऊर्ज़ा बजट में 53 प्रतिशत यानी 26,549 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा पवन ऊर्ज़ा को दिया गया है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्ज़ा उपयोग की ओर संक्रमण अपरिहार्य है। राज्यों को इस संक्रमण का नेतृत्व करना चाहिए। भूमि की उपलब्धता और पारेषण में देरी को दूर करना होगा। यह संकोच का समय नहीं है, यह कार्यान्वयन का समय है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि भारत 225 किलोवाट से लेकर 5.2 मेगावाट तक की क्षमता वाले पवन टर्बाइनों का निर्माण कर रहा है। इसमें 14 कंपनियां 33 मॉडल तैयार कर रही हैं। यह टर्बाइन हमारी घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करते हैं और वैश्विक स्तर पर लागत-प्रतिस्पर्धी भी हैं। जोशी का मानना है कि राष्ट्रीय पवन ऊर्ज़ा क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए समन्वित राष्ट्रीय प्रयास की आवश्यकता होगी। इसलिए हम पांच प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके तहत मध्य प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा जैसे नए राज्यों में विस्तार किया जाएगा। गुजरात और तमिलनाडु में चार गीगावाट के लीजिंग क्षेत्रों की पहचान की जाएगी। भंडारण से जुड़े व्यावसायिक मॉडलों के माध्यम से चौबीसों घंटे चलने वाली और दृढ़ हरित ऊर्ज़ा रणनीतियों में पवन ऊर्ज़ा को एकीकृत किया जाएगा। ग्रिड का आधुनिकीकरण किया जाएगा। परिवर्तनशील नवीकरणीय ऊर्ज़ा के प्रबंधन के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित पूर्वानुमान में निवेश किया जाएगा। पूरी पवन ऊर्ज़ा मूल्य शृंखला में स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहन समय की जरूरत है। जोशी ने कार्यक्रम में पवन ऊर्ज़ा रूपरेखा और विनिर्माण कार्ययोजना पर रिपोर्ट भी जारी की। इस रिपोर्ट में मजबूत और आत्मनिर्भर पवन ऊर्ज़ा इको सिस्टम पर भी जोर दिया गया है। उन्होंने सुखद यह है कि कर्नाटक 1331.48 मेगावाट की पवन ऊर्ज़ा क्षमता वृद्धि के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद तमिलनाडु (1136.37 मेगावाट) और गुजरात (954.76 मेगावाट) का स्थान है।

भविष्य बताने वाले, वर्तमान से बेखबर?

प्रियंका सौरभ

तकनीक प्रौद्योगिकी का जमाना है तो सवाल उठना लाजिमी है कि क्या इनकी ज्योतिषीय सेटिंग में कोई सर्वर एरर आ जाता है? या फिर 'अदृश्य शक्ति' भी सावधानी का बोर्ड लगाकर छुट्टी पर चली जाती है? यह प्रश्न अब मजाक नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक विमर्श का विषय बन चुका है। अब जब कोई गंभीर संकट आता है, तो सबसे पहले न्यूज चैनल, वैज्ञानिक एजेंसियां या रेस्क्यू टीमें सक्रिय होती हैं।

जब भी आपदा आती है भविष्य बांचने वाले ऑफलाइन मिलते हैं। कई तो यह तक दावा करते हैं कि उनका 'ऊपर वाले से सीधा संपर्क' है। ऐसे देववाचक भी हर बड़ी आपदा, दुर्घटना या संकट के समय चुप क्यों हो जाते हैं? यह बड़ा सवाल इसलिए है कि क्या उनका दिव्य नेटवर्क केवल चढ़ावे और चमत्कार तक सीमित है? सवाल यह भी है कि इनका नेटवर्क अचानक उस समय क्यों डाउन हो जाता है जब कोई भयंकर आपदा, ट्रेन हादसा, प्लेन क्रैश, या भूकंप आता है? तकनीक प्रौद्योगिकी का जमाना है तो सवाल उठना लाजिमी है कि क्या इनकी ज्योतिषीय सेटिंग में कोई सर्वर एरर आ जाता है? या फिर 'अदृश्य शक्ति' भी सावधानी का बोर्ड लगाकर छुट्टी पर चली जाती है? यह प्रश्न अब मजाक नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक विमर्श का विषय बन चुका है। अब जब कोई गंभीर संकट आता है, तो सबसे पहले न्यूज चैनल, वैज्ञानिक एजेंसियां या रेस्क्यू टीमें सक्रिय होती हैं। मगर वह बाबा नजर नहीं आते जिनका दावा होता है कि वे भविष्य देख सकते हैं या ईश्वर से सीधी बातचीत कर सकते हैं। यह वही लोग हैं जो टीवी पर, मंचों पर और यूट्यूब लाइव में हजारों लोगों के सामने आंखें मूंदकर बड़े भावुक अंदाज में कहते हैं-''बेटा, तेरा समय बदलने वाला है'', ''तू अगले जन्म में साधु बनेगा'', या ''तेरे कुल में बहुत बड़ा संत हुआ था''। लेकिन जब देश के किसी कोने में कोई बच्चा बोरवेल में गिरता है, जब प्लेन क्रैश होता है, जब कोई महामारी फैलती है-तो ये भविष्यवक्ता नदारद होते हैं। सवाल यह उठता है कि यदि इनके पास सचमुच कोई 'दिव्य दृष्टि' है तो वो सार्वजनिक हित में क्यों नहीं लगाई जाती? क्या इनकी चेतना सिर्फ 'प्रेम विवाह के उपाय', 'दुश्मन को वश में करने की विधि' या 'विदेश यात्रा कब होगी' जैसे प्रश्नों तक ही सीमित है? क्या ईश्वर से सीधा संपर्क रखने वाले लोगों की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वे देश, समाज और मानवता के हित में समय रहते चेतावनी दें? हाल ही में एक वायरल टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी- ''इतने बड़े-बड़े भविष्य वक्ता, ऊपर वाले से सीधा संपर्क... फिर भी किसी बड़े हादसे की खबर तक नहीं मिलती!'' यह वाक्य जितना सरल है, उतना ही तीव्र और तर्कपूर्ण भी है। क्योंकि यह धार्मिक चमत्कारों की उस 'औद्योगिक प्रणाली' पर सवाल खड़ा करता है जो लोगों की भावनाओं को भुनाकर अरबों का कारोबार करती है। आजकल हर गली-मोहल्ले में कोई न कोई ब्रांड है। किसी की टैगलाइन है ''भाग्य बदलिए'', तो कोई कहता है ''समस्या का समाधान सिर्फ 7 दिन में''। कुछ तो ऐसे हैं जो स्वयं को 'ईश्वर का अवतार' घोषित कर चुके हैं। लेकिन जब देश में कोई आपदा आती है, तो ये सब 'अवतार' अंडरग्राउंड हो जाते हैं। इनके आश्रमों में सन्नाटा छा जाता है और प्रवचन मंचों पर 'प्रेस नोट' चस्पा कर दिया जाता है-''बाबा जी ध्यान साधना में हैं, कृपया किसी अन्य समय संपर्क करें। विचार कीजिए, यदि ये लोग सचमुच संकट पूर्वानुमानित कर सकते हैं, तो क्यों नहीं एनडीआरएफ या प्रधानमंत्री कार्यालय को पहले से सूचित कर देते? क्यों नहीं आपदा प्रबंधन में इनका कोई उल्लेख होता है? कारण स्पष्ट है-इनकी 'भविष्यवाणी' एक मार्केटिंग उत्पाद है, एक प्रकार की 'भावनात्मक ज्योतिषीय फैंटेसी', जिसे धार्मिक आस्था की चादर में लपेटकर बेचा जा रहा है। दुख की बात यह है कि यह लोग आमजन की पीड़ा और अज्ञान का लाभ उठाकर एक ऐसा मायाजाल बुनते हैं जिसमें न तर्क है, न पारदर्शिता। इनकी भविष्यवाणी 'जेनरिक' होती है-''अगले 6 महीने बहुत चुनौतीपूर्ण होंगे'', ''देश में बड़ी घटना होने वाली है'', ''भूकंप या महामारी की संभावना है''। अब जरा सोचिए, ये तो किसी भी समय पर लागू किया जा सकता है। यह 'वाटरप्रूफ' भविष्यवाणी होती है-गलत हुई तो कहा जाएगा 'तुम्हारी श्रद्धा कम थी', सही हुई तो 'देखा, बाबा ने पहले ही बताया था'! बाजार ने भी इनकी दुकानदारी को बढ़ावा दिया है। टीवी चैनलों से लेकर सोशल मीडिया तक, हर जगह इनका बोलबाला है। इनके प्रवचन में भक्ति कम, ब्रांडिंग अधिक होती है। कोई यू-ट्यूब पर लाइव भविष्यवाणी करता है। कोई इंस्टाग्राम पर ध्यान सत्र लेता है। इनके पास एचडी कैमरे, माइक सेटअप, वीडियो एडिटर तो हैं पर जब देश को 'दिव्य चेतावनी' चाहिए होती है, तब इनका नेटवर्क फ़ेल हो जाता है। यह विडंबना नहीं, त्रासदी है कि भारत जैसे देश में जहां विज्ञान, तकनीक और आपदा प्रबंधन की व्यापक ज़रूरत है, वहां संकट की घड़ी में लोग अब भी किसी ऐसे चमत्कारी की 'फ़ेसबुक लाइव' पर आश्वासन खोजते हैं। यह एक गहरी सामाजिक असुरक्षा और वैज्ञानिक सोच की कमी का परिचायक है। यहीं पर जिम्मेदारी बनती है सरकारों, शिक्षकों और सामाजिक संस्थानों की। धर्म आस्था का विषय है, लेकिन जब वह वैज्ञानिक विवेक, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवता से दूर जाकर एक 'कॉरपोरेट माया' बन जाए, तो उसके खिलाफ खड़ा होना जरूरी है। यह कोई धर्म-विरोध नहीं, बल्कि अंधविश्वास-विरोध है। भविष्यवाणी की आड़ में जो व्यावसायिक ढांचा खड़ा हुआ है, वह न केवल जन-संवेदनाओं से खिलवाड़ करता है, बल्कि आपदा के समय नागरिकों को दिग्भ्रमित भी करता है। जब किसी नदी में बाढ़ आती है, तो एनडीएमए और मौसम विज्ञान विभाग तो चेतावनी जारी करते हैं, लेकिन यह लोग चुप रहते हैं। जब ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होती है, तब न तो किसी ज्योतिषी का वीडियो वायरल होता है, न ही कोई 'भविष्यवक्ता' ग्रीन रूम से बाहर आता है। सवाल यह भी है कि इनका 'सीधा संपर्क' किससे है? क्या वह संपर्क केवल उन्हीं दिनों काम करता है जब 'दस लाख का यज्ञ', 'एक करोड़ का चढ़ावा', या 'विशेष पूजा' आयोजित की जाती है? क्या ईश्वर को संपर्क में लाने के लिए भी 'डेटा पैक' रिचार्ज कराना पड़ता है? यह कटाक्ष नहीं, कटु सत्य है कि धार्मिक विश्वास अब एक टेलीकॉम योजना जैसा हो गया है–'पैसा दो, नेटवर्क भरोसेमंद होगा'। एक आम नागरिक के नजरिए से देखें, तो यह धोखा है। क्योंकि जब जनता किसी संकट में होती है, तब उसे सही, सटीक, और वैज्ञानिक जानकारी चाहिए होती है, न कि दाढ़ी वाले किसी स्वयंभू के प्रवचन। इस पूरे परिदृश्य में कुछ संतुलित, विद्वान और सच्चे अध्यात्मविद् अपवाद हो सकते हैं, जो वास्तव में समाज सेवा और आत्मकल्याण की बात करते हैं। लेकिन बहुसंख्यक मंचों पर जो चल रहा है, वह एक भविष्य बेचने का उद्योग है-जिसमें भविष्य के नाम पर वर्तमान की चेतना को शिथिल किया जा रहा है। अब समय है कि हम इस भविष्यवाणी तंत्र की पड़ताल करें। सरकारों को ऐसे फर्जी दावों पर निगरानी रखनी चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तर्कशीलता को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मीडिया को भी यह समझना चाहिए कि टीआरपी के चक्कर में वे किस तरह जनता को एक अंधकारमय राह पर ले जा रहे हैं। यह भी जरूरी है कि हम, आप, सब अब सवाल करना सीखें। अगली बार जब कोई बाबा मंच से यह कहे कि ''अगले महीने बड़ी घटना घटेगी'', तो उनसे पूछें-''क्या, कब, कहां, कैसे?'' यदि उनके पास उत्तर नहीं है, तो उनका भविष्य नहीं, आपकी जागरूकता उनका अंत तय करेगी।

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

ललित गर्ग

इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है।

इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है? इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमाम, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है। जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा।

दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषतः चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है। ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया पहले ही दो खेमों में बंटी दिख रही है। ईरान ऐसी जगह पर हैं, जहां से वह बहुत सीमित संसाधनों के साथ समुद्र से होने वाले वैश्विक व्यापार को बाधित कर सकता है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन चरमरा सकती है, विश्व व्यापार ठप्प हो सकता है और विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है। इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। यह खतरा इजरायल के साथ अन्य देशों के लिये भी होगा। इसलिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि हम ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे। जो आपरेशन शुरु किया है, उसे लक्ष्य हासिल होने तक जारी रखेंगे। ईरान का परमाणु शक्ति बनना एक बड़ा खतरा है, इस बड़े खतरे को समाप्त करना ही ऑपरेशन राइजिंग लायन का लक्ष्य है। इसी समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आना भी इजरायल के बेहतर मौका लेकर आया और यहां अमेरिका का समर्थन अहम हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा है कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव को बार-बार खारिज किया है। बहरहाल, इस घटनाक्रम से मध्यपूर्व में इजरायल-ईरान के बीच सीधे युद्ध की आशंका बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि इजरायल और हमास, हिजबुल्ला व हूती विद्रोहियों के बीच पहले से जारी संघर्ष से संवेदनशील बने इलाके में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है। इजरायल और ईरान के बीच सैन्य तनाव बढ़ने से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं, तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो इसके जटिल परिणाम सामने आते हैं और सभी जीवन-निर्वाह की चीजों के दाम बढ़ जाते हैं। जिससे भारतीय रूपया कमजोर होने, मुद्रास्फीति बढ़ने और देश की वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ने का खतरा भी है। भारत अपनी जरूरतों का 80 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है, ऐसी घटनाओं का महंगाई से लेकर व्यापार संतुलन, रोजगार से लेकर जीवन-निर्वाह तक के महत्वपूर्ण संकेतकों पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष भारत के हितों को चोट पहुंचाने वाला है। आर्थिक हित के साथ दोनों देशों के साथ भारत के सामरिक तथा रणनीतिक हित भी जुड़े हुए हैं। भारत को संतुलित रवैया अपनाना होगा, क्योंकि ईरान हमारा पुराना मित्र है, जो कश्मीर मुद्दे को लेकर इस्लामिक देशों के संगठन तक भारत का साथ देता रहा है। इजरायल हमारा महत्वपूर्ण सामरिक एवं नवाचार साझेदार है। किसी के भी पक्ष में झुकाव दुविधा को ओर बढ़ायेगा।

खनन मामले में तिलहर क्षेत्र सबसे आगे

- मिट्टी और बालू का खुलेआम हो रहा अवैध खनन
- ग्रामीणों ने खुद संभाला मोर्चा, एसडीएम से की शिकायत
- लेखपाल ने खनन माफियाओं के नाम और पूरी रिपोर्ट एसडीएम को सौंपी
- खनन तो रुका नहीं, लेखपाल का ट्रांसफर हो गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। जनपद में खनन माफिया पूरी तरह से हावी हैं।जितना अधिकारी लोग सख्ती करते हैं उतना ही माफिया लोग प्रशासन को अंगूठा दिखाते हुए दिन दहाड़े खुलेआम खनन करते है।इन सब में तिलहर छेत्र में ज्यादा ही खनन माफिया सक्रिय हैं।खनन माफिया की हठधर्मिता को लेकर ग्रामीणों ने खुद ही अवैध खनन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।ग्रामीणों ने एसडीएम तिलहर को पत्र देकर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है।जिससे उनके खेत और फसल सुरक्षित रह सके। एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए राजस्व विभाग की टीम को भेजकर रिपोर्ट मांगी है।लेखपाल ने जांच कर माफियाओं की लिस्ट बनाकर एसडीएम को सौंपी है।

तिलहर छेत्र के ग्राम सरेली रटा छेत्र में सबसे ज्यादा खनन होने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की शिकायत पर क्षेत्रीय लेखपाल अंशू बाजपेई ने खनन माफियाओं की लिस्ट बनाकर एसडीएम को सौंपी थी।इससे खनन माफिया कुछ दिन के लिए भूमिगत हो गए।और अपने चाहते जनप्रतिनिधि से कहकर लेखपाल का ट्रांसफर ही करवा दिया।उसके बाद खनन माफिया फिर से हावी हो गए।लेखपाल अंशू बाजपेई ने एसडीएम को सौंपी अपनी रिपोर्ट में बताया था कि तिलहर छेत्र के ग्राम डभोरा और तिलहर निवासी जितेन्द्र, होशियार, पप्पू, दुर्विजय, सलीम, जलील, पिंकू आदि लोग खुलेआम मिट्टी और बालू का अवैध रूप से खनन करते हैं।लेखपाल के रिपोर्ट सौंपने के बाद माफियाओं पर कार्यवाही तो नहीं हुई,वरन लेखपाल का ट्रांसफर हो गया।ग्रामीणों के मुताबिक माफिया उनके खेतों से जबरन मिट्टी भरते है।यदि मना करो तो झगड़ा फसाद पर आमादा हो जाते हैं।। ग्रामीणों की माने तो स्थानीय पुलिस प्रशासन खनन माफिया से सांठ गांठ के चलते माफिया के हौसले बुलन्द हैं। तिलहर क्षेत्र में खनन माफियाओं के हौसले बुलंद होते नजर आ रहे हैं। जिम्मेदारों के संरक्षण में हो रहा है,अवैध खनन,क्षेत्र में जोरों से चर्चा है,कि खाकी के कुछ जिम्मेदारों की सह पर तिलहर थाना क्षेत्र के कई इलाकों में जमकर अवैध खनन हो रहा है। योगी जी आखिर तिलहर क्षेत्र के माफियाओं पर कब कार्यवाही होगी और कब तिलहर क्षेत्र में अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लग पाएगी।

माढ़ापुर में लगी खुली अदालत, चकबंदी अधिकारी ने 157 मुकदमों की की सुनवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ (उन्नाव)। चकबंदी से जुड़ी आपत्तियों का मौके पर निस्तारण कराने के उद्देश्य से मंगलवार को क्षेत्र के ग्राम माढ़ापुर स्थित खेल मैदान में चकबंदी अधिकारी नीरज कुमार ने खुली अदालत लगाई। इस दौरान कुल 157 मुकदमों की सुनवाई की गई। अधिकारी ने एक-एक काश्तकार की आपत्ति को धैर्यपूर्वक सुना और उसकी फाइल पर आवश्यक कार्यवाही दर्ज की। सुनवाई के उपरांत सभी मामलों को निर्णय हेतु अगली तारीख 1 जुलाई निर्धारित की गई है। खुली अदालत के आयोजन का उद्देश्य काश्तकारों को दफ्तर के चक्कर काटने से राहत देना और उनके मामलों का तत्काल व पारदर्शी निस्तारण करना था। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान विजयपाल कुशवाहा, चकबंदी कानूनगो संतराम, लेखपाल पुरुषोत्तम, अन्य चकबंदी कर्मचारी तथा सैकड़ों की संख्या में काश्तकार उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इससे न्याय प्रक्रिया में भरोसा बढ़ता है।

सफीपुर के मखदूम नगर में भूसा दान महोत्सव डीएम व विधायक ने की सहभागिता

- डीएम गौरांग राठी ने गौवंश को पहनाई माला, खिलाया गुड़-चना, डीएम बोले गरीब बच्चों तक पहुंचे गौशाला का दूध

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सफीपुर (उन्नाव)। ग्राम पंचायत मखदूम नगर स्थित गौशाला में मंगलवार को आयोजित भूसा दान महोत्सव में पहुंचे जिलाधिकारी गौरांग राठी ने गायों को माला पहनाकर उन्हें गुड़, चना और केला खिलाया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों को भी सम्मानित किया और ग्रामीणों को संदेश दिया कि ऐसी गायें तैयार की जाएं जो दूध दें, ताकि गांव के कमजोर और गरीब बच्चों तक पोषण पहुंचाया जा सके। जिलाधिकारी ने सबसे पहले गौशाला में मौजूद 160 गौवंशों की चारे-पानी व छाया की व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने केयरटेकर राजपाल से मानदेय के संबंध में जानकारी ली और व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। डीएम ने ग्रामीणों से कहा कि हरा चारा दान की परंपरा भी शुरू की जानी चाहिए। कुछ दुग्ध देने वाली गायों को चुना जाए और उनके दूध को पंचायत स्तर पर जरूरतमंद बच्चों को उपलब्ध कराया जाए। इससे सामाजिक सेवा और पोषण का अद्भुत संयोजन संभव होगा। भूसा दान करने वाले किसानों अजय कुमार (5 कुंतल), रघुनंदन (7 कुंतल), सागर (6 कुंतल), राजकुमार (4 कुंतल) को माला पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। डीएम ने प्रधान उमा देवी, प्रतिनिधि शिव शंकर और ग्राम विकास अधिकारी सकुशल सिंह की व्यवस्था और निगरानी की सराहना की। कार्यक्रम में विधायक बंबालाल दिवाकर भी मौजूद रहे। उन्होंने भूसा दान करने वाले किसानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया और कहा कि यह परंपरा सामाजिक सहभागिता का श्रेष्ठ उदाहरण है। इस अवसर पर शौर्य अरोड़ा (आईएएस), एसडीएम न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, प्रभारी तहसीलदार आशुतोष उपाध्याय, बीडीओ श्वेता त्रिपाठी, उप पशु चिकित्साधिकारी डॉ. भूपेंद्र, एडीओ पंचायत छोटे लाल, केके तिवारी, सर्वेश दीक्षित, उत्तम अवस्थी, सिद्धांत वर्मा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण व कर्मचारी मौजूद रहे।

आरोप सही हैं तो चंद्रशेखर पर होनी चाहिए कार्रवाई : अपर्णा यादव

झांसी। उत्तर प्रदेश सरकार की कन्या सुमंगला योजना अंतर्गत लाभार्थियों को प्रमाणपत्र और सरकार की लाभकारी योजनाओं का लाभ देने झांसी आईं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने पत्रकारों से बात चीत के दौरान कहा कि अपराध का कोई पैरामीटर नहीं होता। अपराध में महिला ही नहीं पुरुष और नाबालिग बच्चे भी उतर रहे हैं। उन्होंने निर्भयाकांड में शामिल नाबालिग का उदाहरण दिया। इसके साथ ही उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि यदि आरोप सही हैं तो रावण के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। मंगलवार को जिला महिला चिकित्सालय में आयोजित कन्या सुमंगला योजना अंतर्गत लाभार्थी महिलाओं को सरकार की योजना से लाभान्वित करने और योजना की जानकारी देने आईं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने पत्रकारों के सवालों पर सबसे पहले कहा कि वह धन्यवाद देती हैं उत्तर प्रदेश सरकार को जिन्होंने बेटी के जन्म लेने पर कन्या सुमंगला योजना जैसी लाभकारी योजना चलाकर गरीब निराश्रित लोगों का और बेटी के जन्म से बड़े होने तक के लिए यह लाभकारी योजना चलाई।

उन्नाव नगर पालिका की विकास रिपोर्ट पेश, 22 करोड़ से बन रही 212 सड़कें

- 212 सड़कों का निर्माण, 98 लाख से नाले, 10 हजार झोले और डस्टबिन बांटे
- शहर को स्मार्ट बनाने के लिए युद्धस्तर पर चल रहा है सौंदर्यीकरण, जल निकासी और सफाई का अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। नगर विकास के मोर्चे पर उन्नाव नगर पालिका परिषद ने बीते एक वर्ष में प्रभावी और व्यापक कार्य किए हैं। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में वर्ष 2024-25 की विकास योजनाओं और प्रगति पर जोरदार रिपोर्ट पेश की। उन्होंने बताया कि 22 करोड़ रुपये की लागत से 212 सड़कों के निर्माण की स्वीकृति मिल चुकी है, जिनमें से अधिकांश का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

नगर में जलनिकासी की पुरानी समस्या को हल करने के लिए इस वर्ष 98 लाख रुपये की लागत से चार प्रमुख नालों के निर्माण की योजना है। साथ ही 25 किलोमीटर नालों की सफाई लगातार मशीनों और मैनुअल टीम द्वारा की जा रही है। 27 वार्डों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार है।

फॉगिंग, चूना, ब्लीच और एंटीलार्वा का व्यापक छिड़काव- संचारी रोगों की रोकथाम के लिए 32 वार्डों में निरंतर सफाई, फॉगिंग व कीटनाशक छिड़काव हो रहा है। इसका परिणाम है कि डेंगू के मामलों में 80% तक की गिरावट दर्ज की गई है।

शहर को मिले तीन नए पार्क, बाकी तीन का कायाकल्प जारी- सौंदर्यीकरण के तहत नगर के 6 प्रमुख पार्कों में कायाकल्प की योजना है। जिनमें से 3 पार्कों का कार्य पूर्ण हो चुका है, शेष पर तेजी से कार्य चल रहा है।

हर रात साफ-सफाई का नया मॉडलः इंदौर से ली प्रेरणा- स्वच्छता में इंदौर मॉडल से प्रेरणा लेकर उन्नाव के प्रमुख मार्गों पर रात्रिकालीन सफाई अभियान शुरू किया गया है। इसे धीरे-धीरे सभी वार्डों तक विस्तार दिया जाएगा।

114 समर्सिबल बोरिंग और टंकी का कार्य प्रगति पर- स्वच्छ पेयजल व्यवस्था के तहत सभी 32 वार्डों में 114 समर्सिबल और टंकियों की स्थापना कार्य तेजी से किया जा रहा है।

सरकारी जमीनें कराई गई कब्जामुक्त, मिला नया जीवन- शेखपुर, चौरा रोड, काशीराम कॉलोनी सहित कई स्थानों पर सरकारी जमीनों को अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया, जिससे सार्वजनिक संसाधनों को नया उपयोग मिल सकेगा।

स्वच्छता कर्मियों को बांटी गई वर्दी और मास्क, कहा – उनका स्वास्थ्य भी उतना ही जरूरीः श्वेता भानू मिश्रा

उन्नाव। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्वेता भानू मिश्रा ने मंगलवार को पालिका सभागार में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय के तहत कार्यरत स्थायी, संविदा और आउटसोर्स स्वच्छता कर्मियों को वर्दी और मास्क वितरित किए। उन्होंने कहा कि नगर को स्वच्छ बनाए रखने में हमारे सफाई कर्मी अहम भूमिका निभा रहे हैं। जिस तरह साफ-सफाई ज़रूरी है, वैसे ही इन कर्मियों का स्वस्थ और सुरक्षित रहना भी उतना ही जरूरी है। अध्यक्ष ने सभी कर्मियों का आभार व्यक्त किया और उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन अधिशासी अधिकारी संजय गौतम ने किया। समापन पर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू ने सभी अतिथियों और कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सभासद सुशील तिवारी गुड्डा, बृजेश पांडेय, मेराजुद्दीन, अराफात बेग, मोनू दीक्षित, निशेष जायसवाल, फहद सिद्दीकी, सर्वेश गुप्ता, मनीष शुक्ला, राजेश सहित नगर पालिका के कई कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने एसडीएम से की छेड़खानी की शिकायत

जालौन। कोंच तहसील अंतर्गत नदीगांव थाना क्षेत्र में एक आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने एसडीएम से गांव के तीन दबंग युवकों पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर छेड़छाड़ करने की शिकायत की है। पीड़िता ने एसडीएम से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। नदीगांव थाना अंतर्गत एक ग्राम में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकत्री ने मंगलवार को अपनी फरियाद एसडीएम ज्योति सिंह लगाई है। उसने अपने साथ गांव के दबंगों की छेड़छाड़ की घटना के बारे में अवगत कराते हुए शिकायत की। पीड़िता ने शिकायत को एसडीएम ने गंभीरता से लिया। उन्होंने नदीगांव थानाध्यक्ष को मौके पर जाकर जांच कर पीड़ित महिला को न्याय दिलवाने को निर्देशित किया है।

नशेड़ी ने फरसा से काटकर की वृद्धा की हत्या

झांसी। लहचूरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खनुआ में नशेड़ी ने सरेआम घर के बाहर बैठी वृद्धा पर फरसा से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। इस सनसनीखेज वारदात से गांव में दहशत फैल गई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित किया। खनुआ गांव निवासी लाड़ली पटेल (75) मंगलवार सुबह अपने घर के बाहर बैठ कर मूंगफलियां साफ कर रही थी। तभी गांव का ही युवक नाथूराम उर्फ भोले नशे की हालत में फरसा लहराते हुए पहुंचा और अचानक फरसे से ताबड़तोड़ वार कर वृद्धा की हत्या कर दी। वृद्धा की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतका के नाती संदीप पटेल ने बताया कि आरोपी ने बिना किसी विवाद या रंजिश के दादी पर पर कई वार कर दिए। संदीप के मुताबिक उसके परिवार की आरोपी से न कोई पुरानी रंजिश थी और न ही कोई हालिया झगड़ा। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सूरज पटेल ने बताया कि आरोपी अविवाहित है और उसके माता-पिता का भी कई साल पहले देहांत हो चुका है। वह नशे का आदी है और आए दिन गांव में मारपीट व झगड़े की घटनाओं में लिप्त रहता है। पूर्व में भी एक साधु के साथ मारपीट कर चुका है और जेल भी जा चुका है।

मुरादाबाद में संविदा पर होगी एमबीबीएस डॉक्टरों की नियुक्ति

मुरादाबाद। जिले में स्वास्थ्य विभाग एक बार फिर संविदा पर एमबीबीएस डिग्री धारक डॉक्टरों की नियुक्ति करने जा रहा है। विभागीय जानकारी के मुताबिक अभी 44 पद रिक्त हैं। नए डॉक्टरों की तैनाती जिला अस्पताल समेत विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर की जाएगी। विभागीय जानकारों का कहना है कि जून 2024 से जून 2025 के बीच एक साल में चौथी बार यह नियुक्ति प्रक्रिया की जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कुलदीप सिंह ने बताया कि 20 जून को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) कार्यालय में वॉक इन इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा।

पेड़ों के कटान से द्रवित डाक्टर ने चालू की अनोखी पहल

- अपने 50वें जन्मदिन पर रोपेंगे सत्तर पेड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। समाजसेवी तथा जनपद में आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने वाले जनपद के वरिष्ठ डाक्टर सत्यानंद मिश्रा ने पर्यावरण में फैल रहे प्रदूषण को लेकर गहरी चिंता जताई है और पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए एक अनोखी पहल की शुरुआत की है।जिसमे सबसे पहले तो वह अपने सत्तर वें जन्मदिन पर सत्तर पेड़ों को रोपित करेंगे और लोगों को अपनी मुहिम में जोड़ने का कार्य करते हुए अधिक से अधिक लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करने का कार्य करेंगे। मंगलवार को जनपद के प्रतिष्ठित डाक्टर सत्यानंद मिश्रा ने अपने अस्पताल में प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि दिन ब दिन धरती से हरियाली को खत्म किया जा रहा है।आय दिन, प्रतिदिन लाखों पेड़ काटे जाते हैं जिससे पर्यावरण पर बहुत ज्यादा खतरा बना हुआ है।जमीन से लेकर आसमान तक प्रदूषण ही प्रदूषण फैला हुआ है।लोग स्वच्छ हवा नहीं ले पा रहे हैं कई जगहों तो लोगों का सांस लेना ही मुश्किल हो रहा है। प्रदूषण की वजह से लोगों में बीमारियां पैदा हो रही हैं।तमाम लोग दमा,स्वांस, टीबी,जैसी गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।इन समस्याओं को देखते हुए उन्होंने एक नई पहल के तहत अपने सत्तर वें जन्मदिन पर सत्तर पौधों को रोपित करने का कार्य किया जाएगा साथ ही कांट और ददरौल छेत्र के सत्तर गाओ को गोद लेकर सभी गाओ मे अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाएगा।

मीरजापुर की ग्रामीण महिलाएं बनीं बदलाव की बुनकर

मीरजापुर। अब गांव की गलियों में सिर्फ खेतों की खुशबू ही नहीं, साड़ियों की खनक भी गूंजेगी! मंगलवार को नगर विधायक रत्नाकर मिश्र ने पीयरी भीट गांव में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत पावरलूम साड़ी उत्पादन केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर माहौल उत्साह और उम्मीदों से भरा था। विधायक ने कहा कि आज गांव की महिलाएं न सिर्फ चूल्हा-चौका संभाल रही हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता की नयी इबारत भी लिख रही हैं। ये पावरलूम केंद्र सिर्फ साड़ियाँ नहीं बनाएगा, बल्कि सपनों को सिलकर रोजगार की बुनियाद भी मजबूत करेगा। उन्होंने समूह की महिलाओं की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि आजीविका मिशन ने उनकी क्षमता को नया मंच दिया है। अब ये महिलाएं अपने हुनर से न केवल आर्थिक रूप से सक्षम बनेंगी, बल्कि गांव की दूसरी महिलाओं को भी प्रेरणा देंगी। शुभारंभ कार्यक्रम में बीडीओ रामपाल, संतोष पाठक, त्रिभुवन मौर्य, प्रधान शिव लखन बिंद और अर्चना देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आई स्कूटी, एक की मौत, एक घायल

- बांगरमऊ के लखनऊ मार्ग चौराहे पर हुआ हादसा, मृतक की बेटियों की चीख-पुकार से कांप उठा अस्पताल परिसर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ (उन्नाव)। नगर के लखनऊ मार्ग चौराहे पर मंगलवार की शाम उस समय हड़कंप मच गया जब तेज़ रफ्तार ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान एक स्कूटी उसकी चपेट में आ गई। हादसे में स्कूटी सवार नरेश कश्यप (50 वर्ष) निवासी बरुआघाट, फतेहपुर चौरासी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके साथ बैठे महेश (55 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां चिकित्सकों ने नरेश को मृत घोषित कर दिया। महेश की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नरेश कश्यप अपने साथी महेश को लेकर स्कूटी से बाजार आए थे। लौटते समय जब वह उन्नाव-हरदोई मार्ग पर स्थित लखनऊ चौराहे पहुंचे, तो सामने से आ रहे लकड़ी लदे तेज रफ्तार ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान स्कूटी ट्रक की चपेट में आकर दूर तक घिसटती चली गई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भाग निकला, लेकिन पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर कोतवाली परिसर भेज दिया। मृतक की पहचान होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अस्पताल पहुंचीं पत्नी मीना देवी, बेटियां कंचन, वंदना, शालू और बेटा शिवम शव देखते ही फूट-फूटकर रो पड़े। पूरे अस्पताल परिसर में चीख-पुकार मच गई।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

01.	कार्य का नाम:	कन्वेंशन एन्ड ट्रांसपोर्टेशन ऑफ एक्सल बॉक्स हाउसिंग फ्रॉम रोलर बेयरिंग ट्रांसफर लाइन टू एक्सल बॉक्स क्लीनिंग प्लांट एण्ड रिमूवल ऑफ ग्रीस फ्रॉम इनकमिंग डिसमाउंटेड एक्सल बॉक्स हाउसिंग एन्ड आई.सी.एफ. रोलर बेयरिंग।
02.	कार्यस्थल:	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ।
03.	अनुमानित लागत:	रु. 39,05,688.34 मात्र
04.	निविदा प्रपत्र का मूल्य:	शून्य।
05.	बिड सिक्योरिटी:	रु. 78,100/- मात्र
06.	कार्य पूर्ण करने की अवधि:	02 वर्ष।
07.	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय:	दिनांक 27.06.2025 से 11.07.2025 समय 15:00 बजे तक।
08.	प्रमाणपत्र:	फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/ Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure A(a) (यदि Partnership/HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।
09.	खुलने का समय:	निविदा फार्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।
10.	कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है।	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तें सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
11.	वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है।	

संख्या: 2025-ए.एम.ई.- सी एंड डब्लू इ/निविदा-38 दिनांक: 17.06.2025 1808/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई ऑक्शन सूचना दिनांक: 16.06.2025

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बन्धित सूचना

एसेंबिल यूनिट/प्लेस	लखनऊ/उ. रे. मण्डल-वाणिज्य/उ. रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ATM-LKO-BSB-Gen-39-25-1 (ATM-General)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.06.2025 at 12:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.06.2025 at 12:30 hrs
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ATM-LKO-LKO-Gen-43-25-1 (ATM-General)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.06.2025 at 12:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.06.2025 at 12:40 hrs
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ATM-LKO-LKO-Gen-42-25-1 (ATM-General)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	13.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	30.06.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	30.06.2025 at 12:50 hrs
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ATM-LKO-LKO-Gen-36-25-1 (ATM-General)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	11.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	26.06.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	26.06.2025 at 10:30 hrs
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ATM-LKO-AMG-Gen-22-24-2 (ATM-General)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	11.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	26.06.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	26.06.2025 at 10:40 hrs
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	ATM-LKO-LKO-Gen-35-25-1 (ATM-General)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	11.06.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	26.06.2025 at 10:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	26.06.2025 at 10:50 hrs
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1787/2025

दो दिवसीय कार्यशाला में 125 नाविकों को मिला प्रशिक्षण

- डीएम प्रियंका निरंजन ने किया समापन, प्राकृतिक उत्पादों की प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। नमामि गंगे की जलज परियोजना के अंतर्गत भारतीय वन्य जीव संस्थान एवं पर्यावरण मंत्रालय के तत्वावधान में मंगलवार को दो दिवसीय जिला स्तरीय नाविक प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन जिला पंचायत सभागार में हुआ। कार्यशाला का उद्देश्य गंगा प्रहरियों के रूप में कार्यरत नाविकों के कौशल और समझ को बढ़ाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने कहा कि ल्लजलजङ्क एक नवाचार है, जिसका उद्देश्य गंगा नदी को आस्था और आजीविका से जोड़ते हुए उसे एक जीवंत नदी के रूप में संरक्षित रखना है। उन्होंने कहा कि जिले के आठ ब्लॉकों से आए 125 नाविकों को प्रशिक्षण देकर गंगा संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन और आपदा प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिकों ने नाविकों को गंगा की जैव विविधता, जलीय जीवों की पहचान एवं संकट की स्थिति में उनके संरक्षण के उपायों की जानकारी दी। इसके साथ ही एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने आपदा प्रबंधन और प्राथमिक उपचार से जुड़े व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि नाविकों को रेस्क्यू किट भी वितरित की गई है और आगे भी यदि वे किसी तरह का प्रशिक्षण लेना चाहें, तो उन्हें सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने यह भी बताया कि जलज परियोजना के माध्यम से नाविकों को रोजगार, पर्यावरण और पर्यटन के क्षेत्र में बाजार तक पहुंचने के अवसर मिलेंगे। कार्यशाला के समापन अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक एवं परियोजना वैज्ञानिक ने जिलाधिकारी को महिला गंगा प्रहरियों की ओर से बनाए गए नेचुरल प्रोडक्ट्स भेंट किए गए। इसके बाद स्वाति साहा और शिवानी पुंडीर ने कार्यशाला में आयोजित विभिन्न सत्रों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की।

राष्ट्र सेविका समिति की सेविकाओं ने शहर में भव्य पथ संचलन निकाला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। राष्ट्र सेविका समिति की सेविकाओं ने शहर में भव्य पथ संचलन निकाला। सेविकाओं ने पूर्ण गणवेश में दंड एवं घोष के साथ अत्यंत अनुशासनबद्ध रूप से संचलन करते हुए राष्ट्रभक्ति का प्रदर्शन किया। पथ संचलन का कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मंगलवार को महात्मा गांधी इंटर कॉलेज बैंक रोड से राष्ट्र सेविका समिति की सेविकाओं का पंथ संचलन कालेज के मैदान से शुरू होकर उग्रसेन तिराहा, टाउनहॉल, कचहरी चौराहा से गोलघर, विजय चौराहा से होते हुए कॉलेज के मैदान में आकर सम्पन्न हुआ। संचलन में बहनों का अनुशासन, उत्साह एवं राष्ट्रप्रेम अत्यंत सराहनीय रहा। संचलन के पूर्व ध्वज लगा कर प्रार्थना की गई। 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के गगनभेदी उद्घोषों के साथ वातावरण राष्ट्रमय हो उठा। नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर सेविकाओं का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन की प्रशंसा की। राष्ट्र सेविका समिति का पथ संचलन समाज में देशभक्ति, अनुशासन और सेवा भाव को जागृत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बता दे कि, राष्ट्र सेविका समिति पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र (काशी व गोरक्ष प्रांत) का 15 दिवसीय प्रवेश व प्रबोध वर्ग का आयोजन 05 जून से एसवीएम पब्लिक स्कूल, चिउहटा मनीराम में किया जा रहा है। इस वर्ग में 200 सेविकाएँ राष्ट्रभक्ति, नागरिक कर्तव्यों, आत्मरक्षा एवं देश की आंतरिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। पथ संचलन में अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका सुनीता हल्देकर, अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख के सीता अक्का, वर्गाधिकारी माया, क्षेत्र प्रचारिका शशि, वर्ग कार्यवाहिका प्रवेश वर्ग अंजू आदि उपस्थित रहीं।

रमियाबेहड़ में जलजीवन मिशन का टैंकियों में अटका दम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- करोड़ों खर्च के बाद भी अधूरी पड़ी पेयजल योजनाएं
- रमियाबेहड़ में जलजीवन मिशन का टैंकियों में अटका दम, करोड़ों खर्च के बाद भी अधूरी पड़ी पेयजल योजनाएं''

धौरहरा खीरी। विकास खंड रमियाबेहड़ जल जीवन मिशन के तहत रमियाबेहड़ विकास खंड में करोड़ों रुपये की लागत से 35 पेयजल टंकियों का निर्माण कराया जा रहा है, ताकि क्षेत्र की करीब ढाई लाख आबादी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। लेकिन निर्धारित समयावधि बीतने के बावजूद अधिकांश टंकियों का कार्य अधूरा पड़ा है, जिससे योजना की सफलता पर सवाल उठने लगे हैं। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, 35 टंकियों में से केवल 16 टंकियां पूरी तरह निर्मित हुई हैं, जबकि 10 टंकियों का कार्य 80% और 9 टंकियों का मात्र 60% ही कार्य हो पाया है। ग्रामीणों का आरोप है किः लीकेज और अधूरी पाइपलाइन के चलते पूरे गांवों में जल भराव की स्थिति बन रही है।

कई गांवों में ट्रायल के दौरान सप्लाई नहीं पहुंच सकी, जैसे कि रामनगर बगहा, मिझरिया। कई जगहों पर बाउंड्री वॉल और नलकूप के कमरे बना कर काम अधूरा छोड़ दिया गया है, जैसे सुजानपुर पंचायत और चचरा ग्राम पंचायत। पाइपलाइनें तय मापदंडों को दरकिनार कर बिछाई गईं, जिससे सड़कों पर गड्ढे और अव्यवस्था फैल रही है। उदाहरणस्वरूपः भगहर पुरवा (चंद्रपुरा गांव): ?232.60 लाख की लागत, कार्य जून 2023 तक पूरा होना था, अब भी 90% अधूरा। गौरियाः 361.58 लाख की लागत, अगस्त 2022 से निर्माण जारी, लेकिन पानी नसीब नहीं। अभयपुरः ?454.59 लाख की लागत, मार्च 2023 से निर्माण शुरू, अब तक कनेक्शन अधूरे।

रामनगर बगहाः ?402.3 लाख की लागत, मुख्य सप्लाई लाइन तक नहीं बिछी। ग्रामीणों का कहना है कि ठेकेदारों और कार्यदायी संस्थाओं की लापरवाही से लोग आज भी आर्सेनिक युक्त पानी पीने को मजबूर हैं।

टंकियों की समय पर आपूर्ति न होने से ''हर घर नल'' योजना सिर्फ काग़ज़ों तक सीमित दिख रही है जिम्मेदार अधिकारियों और कार्यदायी संस्थाओं से इस स्थिति पर जवाबदेही तय करने की मांग लगातार उठ रही है, मगर फिलहाल सभी पक्ष मौन साधे हुए हैं

किसान से साइबर ठगी, 95 हजार की चपत

मीरजापुर। जिगना थाना क्षेत्र के झिलवर बीजर गाँव निवासी एक किसान को ऑनलाइन ठगी का शिकार होना पड़ा। ठगों ने चतुराई से उनके बैंक खाते से 95 हजार रुपये उड़ा लिए। घटना के बाद किसान सदमे में है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। गांव निवासी दिनेश पाठक पुत्र रमाशंकर ने हाल ही में एक फर्म से डिलीवरी के माध्यम से पौधों की कटिंग करने वाली लोहे की कैंची का ऑर्डर दिया था। 15 जून को डिलीवरी बॉय उनके घर कैंची लेकर पहुँचा, लेकिन दिनेश को वह पसंद नहीं आई और उन्होंने उसे वापस कर दिया। जब उन्होंने पैसे लौटाने की बात की, तो डिलीवरी बॉय ने बताया कि रिफंड ऑनलाइन प्रोसेस होगा। मंगलवार की दोपहर किसान के मोबाइल पर एक मैसेज आया, जिसमें लिंक के ज़रिए रिफंड मिलने की बात कही गई थी। जैसे ही उन्होंने लिंक खोला, उनके बैंक खाते से एक झटके में 95 हजार रुपये कटने का मैसेज आ गया। थाना प्रभारी अभय सिंह ने बताया कि यह साइबर ठगी का मामला है और इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक को बिना पुष्टि के न खोलें और साइबर सतर्कता बरतें।

यूरिया खाद की कालाबाजारी पर भड़के किसान भाकियू अराजनैतिक ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। जिले में यूरिया खाद की भारी कमी और बढ़ती कालाबाजारी को लेकर भारतीय किसान यूनियन ''अराजनैतिक,, ने आज मोर्चा खोल दिया। संगठन के जिला अध्यक्ष कुलवंत सिंह जोसन अपने पदाधिकारियों के साथ लखीमपुर खीरी स्थित डीएम कार्यालय पहुंचे और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में जोसन ने आरोप लगाया कि जनपद में यूरिया खाद की भारी किल्लत है। किसानों को दिनभर सहकारी समितियों ''सोसाइटी,, में बैठने के बाद भी खाद नहीं मिल रही, जबकि प्राइवेट दुकानों पर 266 रुपए की यूरिया की बोरी 350 से 400 रुपए तक बेची जा रही है। उन्होंने आशंका जताई कि इस कालाबाजारी में कृषि विभाग के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं को लेकर सजग नहीं दिख रही, जिससे किसानों में भारी नाराज़गी है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के पदाधिकारी धर्मेश सक्सेना, संजय सिंह, मोहम्मद उस्मान, राहुल वर्मा और धर्मेंद्र कुमार भी मौजूद रहे। भाकियू नेताओं ने मांग की कि जांच कर दोषियों पर कार्रवाएई हो और किसानों को समय से उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराई जाए। प्रशासन ने ज्ञापन लेकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस सेवा में चयनित पूर्व छात्रों का किया सम्मान

पलियाकलां खीरी। सम्पूर्णानगर कस्बे स्थित पब्लिक इंटर कालेज के पूर्व छात्र विजय कुमार निषाद, गीतांजलि मौर्य, नीलम सक्सेना, कंचन गुप्ता, नेहा कुमारी, रमिता कुमारी, प्रीति चौरसिया व प्रेम सिंह का चयन उत्तर पुलिस सेवा में हुआ है। पुलिस सेवा में चयनित पूर्व छात्र स्कूल में पहुंचे जहां कालेज के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश गोंड व उप प्राधानाचार्य अशोक कुमार सिंह ने मेडल व माला पहनाकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन ने उनको लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग किया।

योगी सरकार में भी नहीं थम रही चोरियों की वारदात, मां अन्नपूर्णा मंदिर से डेढ़ लाख की चोरी'' पढ़ुआ पुलिस लग रहे प्रश्नचिन्ह

धौरहरा खीरी। कड़े प्रशासनिक दावों और सख्त कानून व्यवस्था के बावजूद चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा मामला ग्राम पंचायत दुलही, ब्लॉक रमियाबेहड़ थाना पढ़ुआ क्षेत्र के गांव केदारी पुरवा से सामने आया है, जहां अज्ञात चोरों ने मां अन्नपूर्णा मंदिर को निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार, बीती रात लगभग 12 बजे दो चोर मंदिर का ताला तोड़कर घुसे और वहां से एक इन्वर्टर की बैटरी और दो दान पेटियां उठा ले गए, जिनमें ग्रामीणों के अनुसार करीब डेढ़ लाख रुपये की नकदी रखी थी। सुबह जब मंदिर में साफ-सफाई के लिए सेवक पहुंचे तो सामान बिखरा पड़ा मिला और कुछ दूरी पर जंगल के किनारे टूटी हुई खाली दान पेटियां बरामद हुईं। इससे गांव में दहशत और रोष का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन प्रशासन न तो सक्रिय है, न ही सुरक्षा के कोई ठोस इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन की सुस्ती और पुलिस की नाकामी को लेकर लोगों में नाराज़गी है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की जाए और मंदिर की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इस घटना ने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, खासकर तब जब राज्य सरकार अपराध पर 'जीरो टॉलरेंस' की।

बेला कला में शिकारी जानवर का दहशत, फिर दो को किया घायल

पलियाकलां खीरी। मझगई क्षेत्र में शिकारी जानवर की दहशत लगातार बनी हुई है। दो दिनों में शिकारी जानवर चार लोगों पर हमला कर उसे घायल कर चुका है। इसके अलावा एक पालतू पशु को भी जानवर ने हमला कर घायल कर दिया। सुबह फिर शिकारी जानवर ने हमला किया जिसमें दो ग्रामीण व एक पालतू पशु शामिल है। तहसील पलिया क्षेत्र के ग्राम बेला कला निवासी जगदम्बा 75 पुत्र अर्जुनदास व मो अनीश 40 पुत्र इदरीश व शाजिदानद पुत्र अर्जुनदास के बछड़े पर हमला कर दिया घटना आज सुबह सोमवार की हैं भेड़िये का बहराइच की तर्ज पर चल रहा हैं मझगई रेंजर अंकित सिंह ने बतया कि भेड़िया झुड में रहते हैं सिंगल भेड़िए नही चलते हैं, लेकिन भेड़िये की पहचान नहीं हो पाई हैं लेकिन तीन कैमारे लगा दिए गए हैं वन विभाग की टीम लगा दी गयी हैं निगरानी कर रहे है वन विभाग की टीम में वन क्षेत्राधिकारी अंकित सिंह वन रक्षक भूपेंद्र कुमार वन दरोगा मनोज यादव कलाम डालचंद्र आदि लोगो की टीम मौके पर निगरानी बनाये हुए हैं।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान, पुलिस जांच में जुटी

जालौन। कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम मिहौंना में 19 वर्षीय युवक पुष्पेंद्र यादव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह लोडर चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। घटना मंगलवार भोर की है, जब पुष्पेंद्र ने अपने कमरे में एक साड़ी के सहारे खूंटी से लटककर जान दे दी। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुष्पेन्द्र यादव पुत्र महेंद्र यादव गांव में लोडर चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। रोज की तरह सोमवार की रात करीब 10 बजे वह घर लौटा और खाना खाकर अपने कमरे में सो गया। परिवारवालों ने बताया कि रात लगभग 3 बजे उसने अपने कमरे में एक साड़ी के सहारे खूंटी से लटककर जान दे दी। सुबह जब पिता ने देखा तो उन्होंने परिवारी जनों को सूचना दी और घटना की जानकारी गांव में फ़ैल गयी। जिससे पूरे गांव में कोहराम मच गया। परिवारवालों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। थाना प्रभारी सतीश ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आत्म हत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

फतेहपुर में विलुप्त प्राय नदियों के पुनरुद्धार के लिए अधिकारियों ने किया मंथन

फतेहपुर। वर्षा जल संचयन एवं राज्य भूजल संवर्धन योजना से संबंधित जिला स्तरीय तकनीकी समन्वय समिति एवं विलुप्त प्राय नदी के पुनरोद्धार के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। जनपद में गिरते भूजल स्तर से सिंचाई, पेय जल, औद्योगिक एवं शहरी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भूजल संसाधनों पर उत्तरोत्तर बढ़ती निर्भरता के दृष्टिगत एवं इन संसाधनों के विवेकयुक्त उपयोग विनिमित दोहन एवं प्रभावी संरक्षण के उद्देश्य से जनपद में भूजल प्रबंधन वर्ष जल संचयन एवं भूजल रिचार्ज के लिए चेक डैम का निर्माण एक प्रभावशाली योजना के रूप में अभी तक कारगर हुआ है। फतेहपुर कृषि प्रधान जनपद है जहां भूगर्भ जल सम्पदा प्रमुख सिंचाई साधन के रूप में एक विशिष्ट स्थान बना लिया है, इसका आकलन इस तथ्य से होता है कि जनपद में 70 प्रतिशत सिंचित कृषि भूमि भूगर्भ जल पर निर्भर है। भूगर्भ जल संरक्षण एवं रिचार्ज हेतु 13 चेकडैम, चेकडैम कम रपटा, 154 तालाब व झील, 55 एनीकट तथा 81 शासकीय व अर्धशासकीय भवनों पर रूफटॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग की स्थापना के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा किया और संबंधितों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सहायक अभियंता लघु सिंचाई को निर्देश देते हुए कहा कि जो प्रस्ताव की सूची है, उपजिलाधिकारियों और संबंधित विभागों को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव में क्रिटिकल एवं सेमी क्रिटिकल विकास खण्डों को प्राथमिकता के आधार पर उक्त कार्यों को लिया जाय।

11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मैराथन दौड़ व सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कैम्पस कृषि महाविद्यालय, जमुनाबाद, गोला लखीमपुर खीरी में 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एक मैराथन दौड़ और सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। मैराथन दौड़ का विषय ''योग मैराथनः स्वस्थ समाज की ओर बढ़ते कदम'' था, जो पांच किलोमीटर की दूरी तक करवाई गई थी। इस दौड़ में कुल 22 छात्रों ने भाग लिया, जिसे सहप्राध्यापक डॉ. ए. के. पांडेय ने झंडी दिखाकर रवाना किया। मैराथन दौड़ के विजेताओं में प्रथम स्थान प्रथम वर्ष के छात्र सचिन कुमार, द्वितीय स्थान मोहित कुमार द्वितीय वर्ष, और तृतीय स्थान सुमित कुमार द्वितीय वर्ष रहे। इसके अलावा, कृषि महाविद्यालय के प्रक्षेत्र भवन में मंत्रों के साथ सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया, जिसका विषय ''सामूहिक सूर्य नमस्कारः ऊर्ज़ा और एकाग्रता का अनुभव'' था। इस कार्यक्रम में लगभग 80 छात्रों, कर्मचारियों और कृषि महाविद्यालय के समस्त अध्यापकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम डॉ. ए. के. पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया और योग प्रशिक्षक शिवम् मिश्रा के निर्देशन में संपन्न हुआ।

अहमदाबाद विमान हादसे में जान गवाने वालों की आत्मा की शांति के लिये निकाला कैंडल मार्च

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला नगर के सदर चौराहे के निकट इन्द्रापार्क के पास 12 मई को हुई अहमदाबाद विमान दुर्घटना में असामयिक काल के गाल में समाये नागरिकों की आत्मा की शान्ति के लिए समर कैंप के बच्चों द्वारा नगर में कैंडल मार्च निकालकर पीड़तों को भावभीन श्रद्धांजलि अर्पित की। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शान्ति के लिए कैंडल जलाकर ईश्वर से प्रार्थना कर उनको अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करने व उनके परिजनों को यह असहनीय दुःख सहन करने की शक्ति देने के लिए प्रार्थना की गई। सोमवार को सदर चौराहे पर विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ मे पैरामाउंट कोचिंग क्लासेज के सुशील वर्मा व क्राइम इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार पांडे सहित काफी लोगों ने अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर शान्ति पाठ किया। सुशील वर्मा ने कहा मैं ईश्वर से यही कामना करता हूं कि ऐसी दुर्घटना भविष्य में दुबारा न हो,ऐसी दुखद घड़ी में हम सब परिवार के साथ हैं।

नीमगांव कस्बे में सड़क के गड्ढों में भरा पानी हर कदम हो रही राहगीरों को परेशानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नीमगांव खीरी। बारिश के बाद नीमगांव कस्बे से सेहरुआ मार्ग की तरफ जाने वाली सड़क सर्वाधिक खराब हालत में है जहां सड़क पहले से गड्ढों में तब्दील है। इसमें बारिश का पानी इकट्ठा हो गया है,राहगीरों को हर कदम पर परेशानी उठानी पड़ रही है। उक्त मार्ग की दूरी करीब 200 मी0 ही होगी जो कस्बें को आवागमन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है,मार्ग गड्ढों में तब्दील है,बरसात में इसकी स्थिति दयनीय हो जाती है। सोमवार को बारिश के बाद सड़क के बीच जलभराव हो गया है। जिसके कारण राहगीरों का आवागमन कष्टदायक हो गया है। दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। ग्रामीण महीनों से सड़क मरम्मत की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। सड़क,नीमगांव कस्बे से अंडूबेहड़, मूड़ा बुजुर्ग, रायपुर, घुमरा,भादुरी, यंगपुर आदि गांवों को जोड़ती है,और यह मार्ग सीधा सेहरुहा गांव के पास मोहम्मदी टू लखीमपुर मार्ग से जुड़ता है।

नीमगांव व बसारा में सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के तहत जनसंवाद, चौपाल का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नीमगांव खीरी। बेहजम ब्लॉक क्षेत्र के नीमगांव कस्बें व बसारा में संकल्प से सिद्धि 11 साल बेमिसाल अभियान के तहत जनसंवाद चौपाल हुई। कार्यक्रम में विधान सभा कस्ता विधायक सौरभ सिंह सोनू ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने कहा, बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। सीमा सुरक्षित हुई है,अर्थव्यवस्था मजबूत हुई,टेक्नोलॉजी गांव-गांव तक पहुंची हैं।

वहीं पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय दीक्षित ने कहा, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और एयरबेस को ध्वस्त किया है,अब भारत आतंक का जवाब घर में घुसकर देता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को साफ संदेश दिया कि आतंक, पानी और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते,यह उनकी रणनीतिक सोच और कूटनीतिक तैयारी का नतीजा है।

उन्होंने कहा, संकट के समय मोदी सरकार ने दुनिया के हर कोने से भारतीयों को सुरक्षित निकाला। इससे साबित हुआ कि यह सरकार सिर्फ देश के भीतर नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में वरिष्ठ जनों का सम्मान किया गया। इस दौरान आयोजन में बेहजम मंडल महामंत्री जसकरन लाल चौहान,उमाशंकर पांडे, दिनेश सिंह देवा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

खमरिया में अतिक्रमण और ई-रिक्शा चालकों पर पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई, राहगीरों ने ली राहत की सांस

धौरहरा खीरी। थाना खमरिया क्षेत्र में अतिक्रमण और अव्यवस्थित ई-रिक्शा संचालन के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को ताबड़तोड़ कार्रवाई की। यह अभियान क्षेत्राधिकारी धौरहरा शमशेर बहादुर सिंह और थाना प्रभारी ओपी राय के दिशा-निर्देशन में चलाया गया। कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे एसआई सुनील बाबू अवस्थी और कांस्टेबल गौरव मिश्रा ने बाजार क्षेत्र में अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों और रास्ता जाम करने वाले ई-रिक्शा चालकों पर सख्त कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जे हटवाए। इस अभियान के बाद बाजार में यातायात सामान्य रहा और आम जनता को आवागमन में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। स्थानीय दुकानदारों और राहगीरों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और कहा कि पहली बार बाजार खुला और व्यवस्थित नजर आया। थाना प्रभारी ओपी राय ने साफ चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति सड़क पर अतिक्रमण करता पाया गया, तो उसके खिलाफ तुरंत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हैदराबाद पुलिस का 'मोबाइल लूट गैंग' खुलासा सवालों के घेरे में, फर्जी वाहवाही लूटने का आरोप

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। थाना हैदराबाद पुलिस द्वारा मोबाइल फोन लूट गिरोह का किया गया हालिया खुलासा अब खुद विवादों में घिरता नजर आ रहा है। पुलिस की ओर से 16 जून 2025 को रोशननगरऽममरी मार्ग पर चेकिंग अभियान के दौरान चार अभियुक्तों को पकड़ने और उनसे छह मोबाइल फोन बरामद करने का दावा किया गया है। मगर इस कार्रवाई की संदेहास्पद प्रक्रिया ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि वाहन चेकिंग के दौरान चार संदिग्ध युवकों को रोका गया और पूछताछ में मोबाइल लूट का खुलासा हुआ। लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया गया कि आरोपी किस वाहन पर सवार थे, और किस आधार पर उन्हें लुटेरा गैंग कहा गया। न ही किसी वाहन, असलहे या किसी तरह के हथियार की बरामदगी की जानकारी दी गई है।

सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि यह मोबाइल लूट गैंग था, तो इतनी गंभीर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त युवक बिना किसी हथियार के कैसे घूम रहे थे? और महज छह मोबाइल फोन मिलने भर से लूट गैंग का पर्दाफाश कैसे मान लिया गया? थाना प्रभारी प्रवीर गौतम की अगुवाई में की गई इस कार्रवाई को लेकर आमजन और स्थानीय जागरूक वर्ग में असंतोष है। उनका कहना है कि यह एक 'फर्जी खुलासा' लगता है, जो केवल पुलिस की वाहवाही लूटने की कवायद भर है। मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठने लगी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह कार्रवाई सही थी या महज एक दिखावटी सफलता का दावा। फिलहाल पुलिस का पक्ष पूरी तरह से सामने नहीं आया है। थानाध्यक्ष प्रबीर गौतम ने बताया कि दो बाइकों पर सवार होकर झपटा मारी करते थे, जिनके पास से कुल छः मोबाइल फोन मिले हैं। इसके बाद उन्होंने पूरी जानकारी दिए बगैर ही फोन कट कर दिया।

अज्ञात महिला की संदिग्धावस्था में मिली लाश की शिनाख्त नहीं कर सकी पुलिस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- थाने के जिम्मेदारों की कार्यशैली व कानून-व्यवस्था पर उठ रहे गंभीर सवाल

गोंडा। जिले के कटरा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम गौरिया (ठकुरन पुरवा) के पास बीते 25 मई 2025 को एक अज्ञात महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में झाड़ियों के पास मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी। घटना के करीब 23 दिन बीत जाने के बावजूद स्थानीय पुलिस न तो मृतका की शिनाख्त कर पाई है और न ही इस रहस्यमय मौत का खुलासा कर सकी है। पुलिस की इस नाकामी ने क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, साथ ही थाना प्रभारी की कार्यशैली पर भी उंगलियां उठ रही हैं।

घटना बीते 25 मई 2025 रविवार की दोपहर की है,जब गांव के कुछ बच्चे खेलते-खेलते झाड़ियों के पास पहुंचे और वहां एक महिला का शव देखा। बच्चों ने तुरंत ग्रामीणों को सूचना दी, जिसके बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। शव की स्थिति और मृतका की हालत को देखकर ग्रामीणों में दहशत फैल गई। कई लोगों ने इसे हत्या का मामला बताया,तो कुछ ने आशंका जताई कि शव को कहीं और से लाकर यहां फेंका गया हो। ग्रामीणों का मानना है कि महिला की मौत स्वाभाविक नहीं है, और यह हत्या या आत्महत्या का मामला हो सकता है। सूचना मिलते ही कटरा बाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने बताया कि मृतका की उम्र लगभग 47 वर्ष है, और उसकी वेशभूषा ग्रामीण परिवेश की प्रतीत होती है। शव के पास कोई पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी कोई ठोस सुराग नहीं मिला। थाना प्रभारी ने आमजन से अपील की थी कि यदि किसी को महिला के बारे में कोई जानकारी हो, तो पुलिस से संपर्क करें। पुलिस ने मामले के जल्द खुलासे का दावा किया था, लेकिन 23 दिन बाद भी कोई प्रगति नहीं हुई। इस नाकामी ने स्थानीय लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस की सुस्ती और लापरवाही के कारण क्षेत्र में अपराध बढ़ रहे हैं। यह घटना न केवल कटरा बाजार क्षेत्र को झकझोर रही है, बल्कि महिला सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठा रही है। लोग अब पुलिस पर दबाव बना रहे हैं कि इस रहस्यमय मौत की गुत्थी को जल्द सुलझाया जाए। इस घटना ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अब यह देखना बाकी है कि पुलिस इस मामले में कब तक कोई ठोस कदम उठाती है और इस पहेली को सुलझाने में सफल होती है।

नीमगांव कस्बे से लखीमपुर के लिए एक भी बस सेवा नहीं, ग्रामीणों में आक्रोश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नीमगांव खीरी। जिले के अंतर्गत थाना क्षेत्र नीमगांव में बसों संचालित नहीं होने से हो रही राहगीरों को परेशान हैं। लखीमपुर खीरी शहर से 25 किलोमीटर दूर नीमगांव क्षेत्र में 110 से अधिक गांव हैं, लेकिन परिवहन व्यवस्था बदहाल है, नीमगांव से लखीमपुर आने के लिए एक भी रोडवेज बस नहीं है,आवागमन के लिए डग्गामार वाहनों ही एक मात्र राहगीरों का सहारा है,लोगों ने इस रूट पर कई बार बसों के संचालन की मांग की, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। विगत सालों पहले लखीमपुर से बेहजम, नीमगांव, सिकंदराबाद होते हुए मोहम्मदी के लिए प्राइवेट बसों का संचालन होता था, उस दौरान क्षेत्र के लोगों का सीधा जुड़ाव जिला मुख्यालय से था,बाद में इन प्राइवेट बसो का संचालन बंद करा दिया गया,तब से नीमगांव के लोगों का जिला मुख्यालय से सीधा संपर्क टूट गया। हालांकि ग्रामीणों की मांग पर बसें लखीमपुर से भदूरा होते हुए मोहम्मदी जाती थी,भदूरा नीमगांव से करीब पांच किलो मीटर दूर है। नीमगांव या आसपास के लोगों को अगर जिला मुख्यालय जाना है, तो बेहजम या भदूरा से बसें पकड़नी होती थीं,हालांकि नीमगांव थाना क्षेत्र में दो बड़े कस्बे हैं,एक बेहजम और दूसरा सिकंदराबाद है,बेहजम में सीएचसी है,अगर सिकंदराबाद के लोगों को बेहजम में सीएचसी या नीमगांव से जाना है तो ई-रिक्शा के अलावा कोई भी साधन नहीं मिलेगा। ग्रामीण पंकज पांडे लखनियापुर ने बताया कि लोगों की मांग के अनुसार विगत वर्ष पहले प्राइवेट बसों का संचालन शुरू गया था,पर अभी बीते एक माह से वो भी ठप हो गया है, जबकि परमिट के अनुसार बेहजम टु सेहरुआ मार्ग होते हुए मोहम्मदी जाना चाहिए था,पर परमिट वालें रूट को को बदल कर नीमगांव टू भदूरा को तरफ संचालित होने लगीं थी पर अब बस परिवहन सुविधा ठप है।

आईसीसी चार दिवसीय टेस्ट के लिए तैयार, भारत ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड पांच दिनी मैच ही खेलेंगे: रिपोर्ट

एजेंसी

लंदन। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) 2027-29 के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों को मंजूरी देने के लिए तैयार है, लेकिन भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड तब भी परंपरागत रूप से चले आ रहे पांच दिवसीय मैच खेल सकते हैं। यहां एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मैचों की संख्या एक दिन कम करने का कदम एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा और इससे छोटे देशों को अधिक टेस्ट और लंबी अवधि की श्रृंखलाएं खेलने में मदद मिलेगी। 'द गार्डियन' समाचार पत्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है, ''पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान चर्चा में आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने 2027-29 के डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया था। इसमें कहा गया है, ''इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत को तब भी एशेज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए पांच दिवसीय मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलने की अनुमति होगी। एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी की शुरुआत शुक्रवार को हेडिंग्ले में इंग्लैंड और भारत के बीच पहले टेस्ट मैच के साथ होगी। आईसीसी ने पहली बार 2017 में द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए चार दिवसीय टेस्ट को मंजूरी दी थी। इंग्लैंड ने 2019 और 2023 में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट के बाद पिछले महीने ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ भी चार दिवसीय टेस्ट मैच खेला था। रिपोर्ट के अनुसार, ''कई छोटे देश समय और लागत के कारण टेस्ट मैचों की मेजबानी करने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं, लेकिन चार दिवसीय टेस्ट मैच शुरू होने से तीन टेस्ट मैचों की पूरी श्रृंखला तीन सप्ताह से भी कम समय में खेली जा सकेगी। इसमें कहा गया है, ''समय को बर्बाद करने से बचने के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों में खेल के समय को 90 ओवर प्रतिदिन से बढ़ाकर न्यूनतम 98 ओवर कर दिया गया है।

स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पहुंची

दुबई। भारत की उप कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंच गयीं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने ताजा अपडेट में 19 रेटिंग अंक गंवाये जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज को मिला। मंधाना के कुल 727 रेटिंग अंक हैं। उनके बाद इंग्लैंड की कप्तान नताली साइवर-ब्रंट 719 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वोलवार्ट अब 719 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना के बाद इस सूची में अगली दो भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच इस महीने के आखिर में पांच टी-20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। मंधाना हाल के दिनों में वनडे बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल रही हैं, लेकिन बाएं हाथ की यह बल्लेबाज 2019 की शुरुआत से शीर्ष स्थान पर नहीं पहुंच पाई थी।

महिला विश्व कप के बाद वनडे को अलविदा कहेंगी सोफी डिवाइन, टी20 करियर रहेगा जारी

एजेंसी

वेलिंगटन/नई दिल्ली। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने घोषणा की है कि वह इस वर्ष भारत और श्रीलंका में होने वाले 50 ओवर के महिला विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के साथ कैजुअल (चयनित) अनुबंध के तहत उपलब्ध रहेंगी। 35 वर्षीय डिवाइन ने यह घोषणा न्यूजीलैंड की 17 सदस्यीय महिला अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची जारी होने से ठीक एक दिन पहले की है। चूंकि वह अब केंद्रीय अनुबंध का हिस्सा नहीं होंगी, इसलिए विश्व कप के बाद एक नई वनडे कप्तान की नियुक्ति की जाएगी। डिवाइन ने 2006 में 17 साल की उम्र में वनडे डेब्यू किया था और करीब 19 वर्षों तक न्यूजीलैंड की

एक प्रमुख ऑलराउंडर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। वह न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक वनडे खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं और वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में चौथे स्थान पर हैं। लेकिन संभावना है कि विश्व कप के दौरान वह 4000 रन का आंकड़ा पार कर डेबी हॉकलि को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगी। उनके नाम 8 वनडे शतक हैं, जो न्यूजीलैंड की महिलाओं में सुजी बेट्स के बाद दूसरा सर्वोच्च आंकड़ा है। साथ ही, वह 100 से अधिक विकेट लेने वाली दो न्यूजीलैंड महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, और इस सूची में भी ली ताहुहु के बाद दूसरे स्थान पर हैं। डिवाइन ने एक बयान में कहा, ''मुझे लगता है कि यह सही समय है धीरे-धीरे पीछे हटने का। एनजेडसी का सहयोग पाकर मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं। इससे मुझे टीम के साथ जुड़े रहने का मौका भी मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, ''यह मेरे लिए जरूरी है कि सभी जानें कि मैं पूरी तरह समर्पित हूं और विश्व कप तक इस टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध हूं। इस युवा टीम के भविष्य को लेकर मैं उत्साहित हूं और आने वाले 659 महीनों में अपनी भूमिका निभाने को लेकर तैयार हूं। एनजेडसी की महिला हाई परफॉर्मेंस प्रमुख लिज़ ग्रीन ने कहा, ''सोफी ने व्हाइट फर्न्स के लिए लगभग दो दशक तक सेवा दी है। हम उनके निर्णय का पूरी तरह समर्थन करते हैं और यह समझौता उनके और टीम दोनों के लिए सकारात्मक है।''

बुमराह सटीक गेंदबाजी करने के मामले में मैकग्रा के समान हैं: ब्रॉड

एजेंसी

मुंबई। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बल्लेबाजों को चकमा देने की क्षमता और गेंदबाजी में उनका बेहतरीन संतुलन उन्हें ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ग्लेन मैकग्रा के समक्ष खड़ा करती है तथा इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें टिकी रहेगी। ब्रॉड ने विश्व क्रिकेट में सबसे संतुलित गेंदबाजी रन अप के मामले में बुमराह की तुलना ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज मैकग्रा से की। ब्रॉड ने पॉडकास्ट 'फॉर द लव ऑफ क्रिकेट' में कहा, ''वह (बुमराह) जब गेंद करने के लिए दौड़ते हैं तो आप सोचते हैं कि यह 70 मील प्रति घंटे की रफ्तार होगी लेकिन वह आपको 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद करते हैं जिससे आप सही अनुमान नहीं लगा पाते हैं।'' उन्होंने जोस बटलर के साथ इस पॉडकास्ट में कहा, '' जब मैंने शोएब अख्तर का सामना किया, तो वह सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ते थे और सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से ही गेंदबाजी करते थे। टेस्ट क्रिकेट में 604 विकेट लेने के बाद 2023 में संन्यास की घोषणा करने ब्रॉड ने कहा, ''बुमराह का रन अप बेहद संतुलित है और वह कभी इस बिगड़ने नहीं देते। मैंने जिन गेंदबाजों को देखा है उनमें ग्लेन मैकग्रा का रन अप बेहद संतुलित था। बुमराह भी उन्हीं की तरह हैं। बुमराह के श्रृंखला के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने की उम्मीद नहीं है, जिसकी पुष्टि भारतीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कार्यभार प्रबंधन के तहत की है। ब्रॉड ने कहा कि अगर बुमराह शुक्रवार से लीड्स में शुरू होने वाली श्रृंखला के सभी पांच मैचों में खेलते हैं तो वह ढेर सारे विकेट लेंगे। उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से उन पर सभी की निगाह टिकी रहेगी।

तीन सुपर ओवर के रोमांच के बाद नीदरलैंड्स ने नेपाल को हराया, टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास

एजेंसी

ग्लासगो। नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच सोमवार को खेले गए टी20 मुकाबले में दर्शकों को रोमांच की पराकाष्ठा देखने को मिली, जब मैच लगातार तीन सुपर ओवर तक चला। यह किसी भी पुरुष पेशेवर टी20 या लिस्ट ए मुकाबले में पहली बार हुआ है। अंततः नीदरलैंड्स ने यह रोमांचक मुकाबला जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। 152 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही नेपाल को अंतिम ओवर में 16 रनों की जरूरत थी। नंदन यादव ने काइल क्लेन की गेंदों पर 4, 2, 2, और फिर एक और चौका लगाकर मुकाबला पहले सुपर ओवर तक खींच दिया। पहले सुपर ओवर में नीदरलैंड्स की ओर से डेनियल डोरम ने गेंदबाजी की। कुशल भुर्तेल ने दो छक्के और एक चौका लगाकर 19 रन बना डाले।

जवाब में माइकल लेविट ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा, इसके बाद मैक्स ओ'डाउड ने अंतिम दो गेंदों पर 6 और 4 जड़कर मुकाबले को दूसरे सुपर ओवर तक पहुंचा दिया। दूसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स ने 17 रन बनाए। नेपाल की ओर से रोहित पौडेल ने पहली गेंद पर छक्का लगाया, और फिर दीपेन्द्र सिंह ऐरी ने चौका जड़कर समीकरण आखिरी गेंद पर 7 रन का बना दिया। ऐरी ने काइल क्लेन की गेंद को काउ कॉर्नर पर छक्के के लिए भेजकर तीसरा सुपर ओवर तय कर दिया। तीसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स के ऑफस्पिनर जैक लायन-कैशे ने कमाल कर दिखाया। उन्होंने पौडेल और रूपेश सिंह को आउट कर नेपाल को खाता भी नहीं खोलने दिया। इसके बाद लेविट ने संदीप लामिछाने की गेंद पर लंबा छक्का जड़कर नीदरलैंड्स को ऐतिहासिक जीत दिलाई। पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड्स ने 152/7 रन बनाए। टीज़ी निडामानुरु ने 35 और विक्रमजीत सिंह ने 30 रन बनाए। नेपाल की ओर से संदीप लामिछाने ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट मात्र 18 रन देकर झटके, जबकि नंदन यादव ने 2 विकेट लिए। नेपाल की पारी की शुरुआत खराब रही। बेन फ्लेचर ने डेब्यू मैच में ही लोकेश बम को आउट किया और क्लेन ने अनिल साह को चलता किया। हालांकि कुशल भुर्तेल (34) और रोहित पौडेल (48) ने पारी को संभाला। लेकिन डेनियल डोरम ने 3 विकेट लेकर नेपाल की पारी पर लगाम लगा दी। आखिरी ओवरों में रूपेश, पौडेल और करण केसी ने मुकाबले को बराबरी तक पहुंचाया।

संक्षिप्त समाचार

कप्तान के रूप में रोहित शर्मा और विराट कोहली का मिश्रण हैं शुभमन गिल: जोस बटलर

मुंबई। जोस बटलर का मानना है कि भारत के नये टेस्ट कप्तान शुभमन गिल कप्तान के रूप में रोहित शर्मा और विराट कोहली का मिश्रण हैं लेकिन जब वह शुक्रवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में राष्ट्रीय टीम की अगुआई करेंगे तो मैदान पर वह पूरी स्वच्छंद होकर टीम का नेतृत्व करेंगे। इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के पूर्व कप्तान बटलर इस वर्ष इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गिल की कप्तानी में खेले थे। उन्होंने कहा कि इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को कप्तानी की भूमिका और अपनी बल्लेबाजी के बीच संतुलन बनाना होगा। बटलर ने इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ अपने पॉडकास्ट 'फॉर द लव ऑफ क्रिकेट' पर कहा, ''वह वास्तव में प्रभावशाली खिलाड़ी है। जब वह बोलते हैं तो काफी शांत और संतुलित रहते हैं। मुझे लगता है कि मैदान पर खुद के लिए चुनौती पेश करते हैं। उनमें काफी जुनून होता है। मुझे लगता है कि कप्तान के रूप में वह कोहली और रोहित का मिश्रण होंगे। उन्होंने कहा, ''कोहली वास्तव में बहुत आक्रामक थे। उन्होंने भारतीय टीम को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने उसे मुकाबले के लिए तैयार किया। रोहित थोड़े अलग थे। थोड़े शांत और संयमित, लेकिन उनमें गजब का जुझारूपन था। बटलर ने कहा, ''गिल ने इन दोनों से काफी कुछ सीखा है लेकिन वह मैदान पर पूरी तरह से अलग नजर आएंगे। बटलर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में भारत की कप्तानी करना देश में 'तीसरे या चौथे सबसे प्रभावशाली व्यक्ति' होने जैसा है। उन्होंने कहा, ''गिल ने बल्लेबाजी और कप्तानी को अलग-अलग करने की बात की। इसलिए जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो वह सिर्फ बल्लेबाज बने रहना चाहते हैं। इसके बाद वह अपने कप्तानी कौशल पर काम करेंगे और दोनों भूमिकाओं को अलग-अलग तरह से निभाने का प्रयास करेंगे। बटलर ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हम इन लोगों के स्टारडम के स्तर को समझ सकते हैं। आप इसे आईपीएल में देखते हैं। वे इस स्टारडम में जीते हैं।

साओ पाउलो ने मैनेजर जुबेलदिया को पद से हटाया

रियो डी जनेरियो। ब्राजीलियन फुटबॉल क्लब साओ पाउलो ने अर्जेंटीनी मैनेजर लुइस जुबेलदिया को खराब प्रदर्शन के चलते पद से हटा दिया है। क्लब ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। ब्राज़ीलियन सीरी-ए लीग में साओ पाउलो का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम 12 मैचों में केवल दो जीत के साथ 20 टीमों की तालिका में 14वें स्थान पर है। हालांकि, कोपा लिबरटाडोरेस में क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपने ग्रुप में टॉप किया है और अब अगस्त में कोलंबिया की एटलेटिको नैसिओनल से प्री-क्वार्टर फाइनल खेलेगा। क्लब द्वारा जारी बयान में कहा गया, ''आपसी सहमति और सौहार्द्रपूर्ण तरीके से यह निर्णय लिया गया कि लुइस जुबेलदिया अब टीम की कमान नहीं संभालेंगे। जुबेलदिया ने अप्रैल 2024 में टीम की जिम्मेदारी संभाली थी और उनके कार्यकाल में साओ पाउलो ने 38 मुकाबले जीते, 27 ड्रॉ खेले और 20 में हार का सामना किया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अर्जेंटीना के पूर्व स्ट्राइकर हर्नान क्रेस्पो को साओ पाउलो के नए कोच के रूप में सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। क्रेस्पो पहले भी 2021 में आठ महीने तक साओ पाउलो के कोच रह चुके हैं। वे नवंबर 2024 में यूएई के क्लब अल ऐन से अलग हुए थे और तब से कोचिंग से बाहर हैं।

स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पहुंची

दुबई। भारत की उप कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंच गयीं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने ताजा अपडेट में 19 रेटिंग अंक गंवाये जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज को मिला। मंधाना के कुल 727 रेटिंग अंक हैं। उनके बाद इंग्लैंड की कप्तान नताली साइवर-ब्रंट 719 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वोलवार्ट अब 719 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना के बाद इस सूची में अगली दो भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच इस महीने के आखिर में पांच टी-20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। मंधाना हाल के दिनों में वनडे बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल रही हैं, लेकिन बाएं हाथ की यह बल्लेबाज 2019 की शुरुआत से शीर्ष स्थान पर नहीं पहुंच पाई थी। भारतीय सलामी बल्लेबाज हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कोलंबो में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में शतक बनाया था। इससे उन्हें अपनी रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिली। मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भी चौथे स्थान पर हैं।

मारुति सुजुकी को वित्त वर्ष 2023-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत बढ़ाने की उम्मीद

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने मंगलवार को कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि 2030-31 तक रेलवे के माध्यम से वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। ताकेउची ने कहा कि मारुति सुजुकी 2013 में 'ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी। तब से, हमने रेलवे के जरिये 25 लाख से अधिक यात्री वाहनों को भेजा है। एमएसआईएल के सीईओ ताकेउची ने कहा, '' हमने रेलवे के जरिये वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 में करीब पांच प्रतिशत था, और पिछले वर्ष 2024-25 में 24 प्रतिशत हो गया है।'' उन्होंने कहा कि कंपनी मानेसर में नई सुविधा के साथ इसे और बढ़ाएगी। ताकेउची ने कहा, '' एक बार जब यह पूरी तरह से चालू हो जाएगा, तो हम सालाना 4.5 लाख वाहन भेज सकेंगे। इससे वित्त वर्ष 2030-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी।

कोयला मंत्रालय ने अब तक कुल 200 कोयला ब्लॉक आवंटित किए

- मरवाटोला-II ब्लॉक सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने अब तक कुल 200 कोयला ब्लॉक आवंटित किए हैं, जो भारत के कोयला क्षेत्र में क्रांति लाने और राष्ट्रीय ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। मरवाटोला-II कोयला ब्लॉक के लिए ऐतिहासिक आवंटन आदेश सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को जारी किया गया है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक मध्य प्रदेश में सिंघल बिजनेस प्राइवेट

लिमिटेड को मारवाटोला-II कोयला ब्लॉक का आवंटन क्षेत्रीय सुधारों, निजी भागीदारी को बढ़ावा देने और कोयला उत्पादन में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। पिछले कई वर्षों में मंत्रालय ने वाणिज्यिक कोयला खनन के आगमन और एकल-खिड़की निकासी प्रणाली की शुरुआत से लेकर डिजिटल निगरानी और शासन उपकरणों को अपनाने तक कई परिवर्तनकारी सुधार किए हैं। इन उपायों ने सामूहिक रूप से कोयला क्षेत्र के परिचालन परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया है। निजी उद्यम के लिए नए अवसर खोले हैं और संसाधन विकास के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह तथा भविष्य के लिए तैयार ढांचा सुनिश्चित किया है।

महिंद्रा टीईक्यूओ ने अंकित जैन को सीईओ किया नियुक्त

एजेंसी

नयी दिल्ली। महिंद्रा समूह की अक्षय ऊर्जा परिसंपत्ति प्रबंधन इकाई महिंद्रा टीईक्यूओ ने अंकित जैन को अपना मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की मंगलवार को घोषणा की। कंपनी बयान के अनुसार, जैन को अक्षय ऊर्जा परियोजना विकास एवं डिजिटल बदलाव में 18 वर्ष से अधिक का अनुभव है। इससे पहले जैने महिंद्रा सस्टेन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई चुके हैं। उन्होंने मल्टी-गीगावाट परियोजनाओं एवं ईएसजी पहलों का नेतृत्व किया था। बयान में कहा गया कि जैन की नियुक्ति टीईक्यूओ की अक्षय ऊर्जा परिसंपत्ति प्रबंधन में वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है। महिंद्रा टीईक्यूओ के निदेशक दीपक ठाकुर ने कहा कि अंकित की नियुक्ति टीईक्यूओ को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप है।

भारत को एक महत्वपूर्ण बाजार के रूप में देखते हैं: गूगल इंडिया प्रमुख

नयी दिल्ली। गूगल इंडिया की 'कंट्री मैनेजर' एवं उपाध्यक्ष प्रीति लोबाना ने कहा कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था के तेजी से विस्तार ने देश की स्थिति को एक ''शक्तिशाली देश'' के रूप में मजबूत किया है। गूगल इंडिया की नवनियुक्त शीर्ष कार्यकारी ने इस बात पर जोर दिया कि विश्वास और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना कृत्रिम मेधा (एआई) युग में गति को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रीति लोबाना ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी '' एंड्रॉयड या प्ले स्टोर के मामले में समृद्ध, संपन्न डिजिटल परिवेश के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गूगल ''प्रतिस्पर्धा'' को ''डिजिटल परिवेश को समृद्ध'' बनाने के साधन के रूप में देखता है। लोबाना ने देश में सर्च दिग्गज कंपनी के खिलाफ 'एंटीट्रस्ट' मामलों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, लेकिन कहा कि कंपनी जिस भी देश में काम करती है, वहां के स्थानीय कानूनों का अनुपालन करती है। इनमें प्ले स्टोर को एंड्रॉयड टीवी ओएस के साथ जोड़ना (जिसे गूगल ने 20 करोड़ रुपये का भुगतान करके सुलझाया) या प्ले स्टोर नीतियों से जुड़े मामले शामिल हैं। उन्होंने कहा, '' हम सरकार और अन्य नियामक संस्थाओं के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम इसका अनुपालन कर रहे हैं। लोबाना ने माना कि कृत्रिम मेधा जैसी नई प्रौद्योगिकियां रचनात्मक क्षमता को उन्मुक्त कर रही हैं, लेकिन साथ ही 'डीपफ़ेक' से जुड़ी चुनौतियों को भी सामने ला रही हैं। 'डीपफ़ेक' में एआई का उपयोग करके किसी का ऐसा वीडियो या तस्वीरें बनाईं जाती हैं जो एकदम असली प्रतीत होती हैं लेकिन वास्तव में वह फर्जी या नकली होती हैं।

मलेशिया की सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह को 15 लाख पाम बीज की आपूर्ति की

किनाबाटांगन (मलेशिया)। मलेशिया की सरकारी एजेंसी सावित किनाबालु समूह ने भारतीय उपभोक्ता सामान कंपनी पतंजलि समूह को अभी तक पाम के 15 लाख बीज की आपूर्ति की है। मलेशिया की इस सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह के साथ पांच साल का अनुबंध किया है जो 2027 में समाप्त हो रहा है। इस अवधि में एजेंसी पाम के कुल 40 लाख बीज की आपूर्ति करेगी। मलेशिया, भारत को पाम तेल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, लेकिन यह पहली बार है जब किसी सरकारी एजेंसी ने पाम के बीजों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत, पाम तेल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने के वास्ते घरेलू स्तर पर इसकी खेती को प्रोत्साहित कर रहा है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के कीमत में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,050 रुपये से लेकर 1,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये से लेकर 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,000 रुपये से लेकर 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज 100 रुपये की मामूली तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर

पहुंच गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सााई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर सड़क-यात्री सुरक्षा का भी होगा मुकम्मल इंतजाम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में प्रमुखता से शुमार गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे सिर्फ रफ्तार के साथ आवागमन सुगमता का ही माध्यम नहीं बनेगा बल्कि इस एक्सप्रेसवे पर सड़क व यात्री सुरक्षा का भी मुकम्मल इंतजाम रहेगा। यात्री सुरक्षा के लिहाज से गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के लोकार्पण के दिन 20 जून को मुख्यमंत्री सुरक्षा फ्लीट को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे, जबकि आने वाले दिनों में सड़क सुरक्षा के लिए यहां लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे की तर्ज पर एटीएमएस (एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम) भी लागू किया जाएगा। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा बनवाए गए गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर यात्री सुरक्षा के

■ यात्री सुरक्षा के लिए 5 इनोवा, 5 कैम्पर, 4 एम्बुलेंस, 2 क्रेन और 1 हाइड्रा वाहनों को सीएम योगी दिखाएंगे हरी झंडी

लिए मुख्यमंत्री जिस सुरक्षा फ्लीट का शुभारंभ करेंगे उसमें 5 इनोवा, 5 कैम्पर, 4 एम्बुलेंस, 2 क्रेन और 1 हाइड्रा वाहन शामिल हैं। यूपीडा के नोडल सिक्योरिटी ऑफिसर राजेश पांडेय बताते हैं कि यूपीडा के इनोवा वाहन की पेट्रोलिंग 8-8 घंटे के शिफ्ट में लगातार होती रहेगी। हर वाहन में चार सेवानिवृत्त सैनिकों की ड्यूटी रहेगी। कैम्पर वाहन पीछे से खुले रहते हैं और इसमें ट्रैफिक कोन, रस्सी, रेडियम स्ट्रिप आदि की उपलब्धता रहती है। किसी स्थान पर किसी वाहन के खराब होने पर या दुर्घटना होने पर ये वाहन तुरंत जाकर ट्रैफिक कोन, रस्सी और रेडियम स्ट्रिप से कवर कर देंगे ताकि अन्य वाहनों को कोई दिक्कत न हो। इसके अलावा 91 किमी लंबे इस एक्सप्रेसवे पर हर 45 किमी पर मार्ग के दोनों तरफ एक-एक एम्बुलेंस की तैनाती रहेगी ताकि आकस्मिक चिकित्सकीय जरूरत यात्रियों को तत्परता से अस्पताल भेजा जा सके। किसी वाहन में अचानक खराबी आने पर उसे सड़क से हटाने के लिए हर 45 किमी पर क्रेन और पूरे एक्सप्रेसवे के लिए 1 हाइड्रा वाहन को तैनात किया जाएगा। यात्री और मध्यम मालवाहक वाहनों को क्रेन से और बड़े मालवाहक वाहनों को सड़क से नजदीक के चैनेज से उतार दिया जाएगा क्योंकि नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया के दिशानिर्देश के मुताबिक एक्सप्रेसवे पर खराब वाहनों को खड़ा नहीं किया जा सकता। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर आने वाले समय में एटीएमएस भी लागू करने की तैयारी है। इस सिस्टम के तहत एक्सप्रेसवे पर हर पांच किमी पर सीसी कैमरे लगाए जाते हैं। इसकी मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जाती है। इसके अलावा एटीएमएस में रफ्तार सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर नजर रखने के स्पीड कैमरे और एनपीआर (नम्बर प्लेट रीडर) की व्यवस्था भी होती है। एक्सप्रेसवे पर रफ्तार सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों की तत्काल जानकारी संबंधित जिले के एआरटीओ के पास चली जाती है।

मुठभेड़ में मैनपुरी के चार अभियुक्त गिरफ्तार, एक को गोली लगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फिरोजाबाद। थाना शिकोहाबाद पुलिस व सर्विलांस टीम ने सोमवार देर रात चोरी व लूट के मामलों में वांछित चार शातिर अभियुक्तों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल एक अभियुक्त को उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती कराया है। अपर पुलिस अधीक्षक देहात त्रिगुण बिसेन ने बताया कि थाना शिकोहाबाद क्षेत्र के भूडा निवासी धर्मवीर पुत्र धर्मेन्द्र उर्फ पप्पू ने 24 मई को थाने पर सूचना दी कि रात्रि में अज्ञात चोरों द्वारा उसके घर में घुसकर जेवरात व रूपये चोरी कर लिये है। इसके साथ ही थाना शिकोहाबाद क्षेत्र के गांव दिखतौली निवासी जनवेद सिंह पुत्र सिकन्दर बघेल ने 14 जून को थाना शिकोहाबाद पर सूचना दी कि उसके पिता पन्ना लाल ग्राम दिखतौली नहर पटरी पर अपनी बकरियों को चराने के लिये लेकर गये थे तभी सफ़ेद रंग की कार में सवार चार अज्ञात व्यक्ति आये और 07 बकरियाँ (04 बकरी व 03 बकरे) को चोरी कर ले गये। पुलिस ने दोनों घटनाओं में मुकदमा दर्ज किया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस की 3 टीमों का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि थाना शिकोहाबाद प्रभारी अनुज कुमार पुलिस टीम के साथ सोमवार देर रात क्षेत्र में गश्त पर थे। तभी सूचना मिली कि नहर पुल से बकरियां ले जाने वाले अभियुक्त सफ़ेद रंग की गाड़ी से भूडा नहर पटरी पर घटना करने की फिराक में अवैध असलहा सहित घूम रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने जब कार की घेराबंदी की तो अभियुक्त कार से उतर कर भागने लगे। भागने के दौरान एक अभियुक्त ने जान से मारने की नियत से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जबावी कार्यवाही में इस अभियुक्त के पैर में गोली लगने से घायल हो गया। घायल अभियुक्त की पहचान दानिश उर्फ गौतम पुत्र मास्टर खान के रुप में हुई तथा इसी दौरान पुलिस टीम द्वारा घेराबन्दी कर अन्य तीनों अभियुक्तों को भी गिरफ्तार किया गया। जिनकी पहचान फरमान उर्फ गूंगा पुत्र असरफ, सादिक खान उर्फ पप्पू पुत्र मास्टर खान व गुलफाम पुत्र रफल खान के रुप में हुई है। यह सभी अभियुक्त नगला पत्राहार थाना दन्नाहार जनपद मैनपुरी के रहने वाले है। अभियुक्तों के कब्जे से 11,860 रुपये, एक मोबाइल फोन एक तमंचा, दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस व घटना में प्रयुक्त कार बरामद हुई है तथा पूछताछ के दौरान अभियुक्तों की निशांदेही पर 07 पशु बरामद हुए है। एएसपी ने बताया कि घायल अभियुक्त को उपचार हेतु पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भिजवाया गया है। अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सहारनपुर में महिला को तीन तलाक देकर घर से निकाला, महिला थाना मे मुकद्दमा दर्ज

सहारनपुर। थाना नागल क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने सहारनपुर महिला थाना में तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 28 जून 2018 को मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार नानौता में हुई थी। शादी के समय मायके वालों ने फर्नीचर, बर्तन, कीमती वस्त्र, सोने-चांदी के आभूषण और बाइक दी थी। आरोप है कि ससुराल पक्ष दहेज से संतुष्ट नहीं रहा। दहेज में दो लाख रुपए नगद और कार की डिमांड करने लगा। जब वह इन मांगों को पूरा नहीं कर सकी तो उसे तरह-तरह से प्रताड़ित किया गया। पहले भी उसने इस संबंध में मुकदमे दर्ज कराए थे, लेकिन बाद में समझौते के नाम पर ससुरालियों ने अपनी गलती स्वीकार कर उसे साथ रखने का वादा किया और पुराने केस वापस करवा लिए।

वाराणसी : पारिवारिक विवाद में बड़े भाई को छोटे भाइयों ने लाठी-डंडों से पीटा, मौत

■ पुलिस ने हमलावर भाइयों को हिरासत में लिया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के गंगापुर मंगारी गांव में दो भाइयों ने मिलकर पारिवारिक विवाद में अपने बड़े भाई को लाठी डंडों से पीट कर मार डाला। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों छोटे भाइयों और भयोह को हिरासत में ले लिया। सोमवार की रात हुई घटना की जानकारी पाते ही अफसर भी मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार गंगापुर मंगारी गांव के निवासी रमेश राम (40) पेशे से राजगीर मिस्त्री का काम करता था। देर शाम रमेश अपनी पुत्री की बेटी (नातिन) के साथ खेल रहा था। इसी दौरान किसी बात पर रमेश का अपने छोटे भाई अनिल और सुभाष राम से विवाद हो गया। विवाद बढ़ते ही अनिल और सुभाष ने लाठी से अपने बड़े भाई रमेश को पीट दिया। रमेश की चीखपुकार सुन उसके पड़ोसियों और परिजनों ने उसे भाइयों के चंगुल से मुक्त करा कर उसे गंगापुर सीएचसी पहुंचाया। जहां उसकी हालत गंभीर देख पांडेयपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल पहुंचते ही रमेश को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में फूलपुर पुलिस ने अनिल, सुभाष और सुभाष की पत्नी को हिरासत में ले लिया। थाने में तीनों आरोपितों से पुलिस अफसरों ने घटना को लेकर पूछताछ की। फूलपुर थाने के एसएचओ ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गुटखा थूकने के विवाद में शिक्षामित्र ने युवक को गोली मारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। रक्सा थाना क्षेत्र में घर के सामने सड़क पर बने ब्रेकर पर गुटखा थूकने को लेकर सिपाही के शिक्षामित्र पिता ने युवक को गोली मार दी। गोली सीने में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बचाने आए भतीजे पर लाठियों से हमला कर सिर फोड़ दिया। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। गोली लगने से गंभीर घायल युवक को ग्वालियर रेफर कर दिया गया। वारदात में सिपाही के बड़े भाई ने पिता का सहयोग किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए पिता-बेटे को हिरासत में लिया। उनसे पूछताछ की जा रही है। मामले की जानकारी देते हुए एसपी ने बताया कि सारमऊ गांव निवासी बलराम अहिरवार (40) बाइक से अपनी ससुराल हथला गांव गया था। उनके चचेरे भाई कल्याण ने बताया - मेरा और आरोपी हरिमोहन का घर आमने-सामने है। सोमवार रात करीब 10 बजे बलराम घर लौटा। पड़ोसी हरिमोहन अहिरवार के घर के आगे स्पीड ब्रेकर पर बाइक बंद हो गई। बलराम ने सड़क पर गुटखा थूक दिया। इस पर हरिमोहन की पत्नी आशा बाहर आ गईं और गाली देने लगीं। कहने लगीं कि घर के सामने गुटखा क्यों थूका। दोनों में कहासुनी हो गई। हरिमोहन, उसके बेटे दिलीप समेत अन्य परिजन आ गए और मारपीट करने लगे। इस दौरान हरिमोहन भागकर घर के अंदर गया और तमंचा उठा लाया। उसने तमंचे से बलराम पर फायर कर दिया। गोली सीने में लगी और कमर से बाहर निकल गई। गोली लगते ही बलराम लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय

कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल : noidarp@gmail.com

प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर हादसा, ट्रक में पीछे से टकराई बस आधा दर्जन यात्री घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जालौन। जालौन जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक स्लीपर कोच बस आगे चल रहे ट्रक में पीछे से जा घुसी। यह दुर्घटना देर रात गोहन थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किलोमीटर संख्या 211.7 के पास हुई। इस हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बस में सवार आधा दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, खनिज विभाग की टीम द्वारा बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान एक ट्रक को जांच के लिए रोका गया। खनिज विभाग के अधिकारियों के इशारे पर ट्रक ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिए। उसी समय राठ से दिल्ली की ओर जा रही तेज रफ्तार एक स्लीपर कोच बस अनियंत्रित होकर ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से चकनाचूर हो गया और उसमें बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही गोहन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हाईवे एम्बुलेंस सेवा की मदद से घायलों को निकटवर्ती अस्पताल भिजवाया गया। चिकित्सकों की टीम ने सभी घायलों को प्राथमिक उपचार प्रदान किया, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटनास्थल पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही, जिसे पुलिस ने जल्द ही नियंत्रित कर यातायात सामान्य कराया। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ट्रक के अचानक रुकने और बस की तेज रफ्तार के चलते यह हादसा हुआ।

वाराणसी में आधी रात के बाद जमकर बरसे बादल,बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी

■ प्री-मानसून की बारिश से अब लू का दौर खत्म होगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नैटवर्क

वाराणसी। जनपद में एक पखवाड़े तक प्रचंड तापलहरी और लू का कहर झेलने के बाद लोगों को सोमवार आधी रात के बाद थोड़ी राहत मिली। देर शाम से ही बूंदाबांदी और फुहार के बाद बादल आधी रात के बाद जमकर कर बरसे। मंगलवार सुबह की शुरूआत भी हल्की बारिश से हुई। प्री-मानसून की हल्की बारिश के बाद दिन में लोगों को उमस ने भी जमकर छकाया। हालांकि सुबह हुई बारिश जनपद के कुछ हिस्सों में ही हुई। मौसम विज्ञान विभाग के विशेषज्ञों के अनुसार वाराणसी में मानसून का प्रवेश 23 जून तक हो सकता है। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर की तरफ से 18 जून को मानसून के प्रवेश करने की संभावना है। विभाग के सोमवार तक जारी आंकड़ों के अनुसार वाराणसी में 16 दिनों में सिर्फ 1.6 एम एम ही बरसात हुई है। वाराणसी के अलावा पूर्वी यूपी के जिलों में 64 फीसदी कम बारिश हुई है। सामान्य तौर पर 30 एमए बारिश होनी थी जबकि सिर्फ 11 एमए की पानी गिरा है। विभाग ने वाराणसी में अगले तीन दिनों तक आंधी और गरज-चमक के साथ बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। मंगलवार से गुरुवार के बीच में जिले में अच्छी प्री-मानसून की बारिश हो सकती है। 20 जून तक सोनभद्र के रास्ते पूर्वी उत्तर प्रदेश में मानसून के आने की परिस्थितियां बन रही हैं। मानसून सीजन में औसत बारिश 812.1 एमएम होती है। इससे पहले प्री-मानसून की बारिश से अब लू का दौर खत्म होगा लेकिन उमस बढ़ेगी। जिले में मंगलवार को पूर्वाह 11 बजे अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस,आद्रता 71 फीसद और हवा की रफ्तार 11 किमी प्रतिघंटा दर्ज की गई। वहीं,सोमवार को शहर का अधिकतम तापमान सामान्य से 5.1 डिग्री ज्यादा 39.2 डिग्री सेल्सियस तक चला गया था। आर्द्रता 63 प्रतिशत रही।इससे बढ़ी उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया। पुरवा हवा 20 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से बही। इसकी वजह से लू जैसी स्थिति बनी रही। यूपी आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार बनारस समेत पूरे प्रदेश में अब बारिश वाली स्थिति बन गई है।

कन्नौजः कृषक दुर्घटना बीमा योजना के 107 लाभार्थियों को डीएम ने बांटे सवा पांच करोड़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कन्नौज। मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को धनराशि वितरण कार्यक्रम अम्बेडकर नगर से सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) आशीष कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष वीर सिंह भदौरिया व लाभार्थियों की उपस्थिति में देखा व सुना गया। इस अवसर पर जनपद के कुल 107 स्वीकृत दावों के सापेक्ष रूपये 5 करोड़ 23 लाख का वितरण किया गया, जिसमें तहसील कन्नौज के 26, तहसील छिबरामऊ के 64 एवं तहसील तिर्वा के 17 लाभार्थियों को योजना का लाभ प्रदान किये जाने का सांकेतिक चेक वितरित की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही एक महत्वपूर्ण योजना हैं, जिसका उद्देश्य राज्य के किसानों को दुर्घटना के समय आर्थिक सहायता प्रदान करना हैं। इस योजना के तहत यदि कोई किसान दुर्घटना में मृत्यु का शिकार होता हैं, तो उसके परिवार को 5 लाख की आर्थिक सहायता धनराशि प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा दुर्घटना में 50 प्रतिशत दिव्यांगता पर 2.5 लाख एवं 25 प्रतिशत दिव्यांगता पर 1.25 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के पात्रता हेतु कृषक/लाभार्थी की आयु 18 से 70 वर्ष होनी चाहिए। कृषक, बटाईदार, पट्टेदार की दुर्घटनावश मृत्यु/दिव्यांगता की स्थिति में योजना का लाभ प्रदान किया जाता हैं। कृषक बटाईदार, पट्टेदार की आग लगने, बिजली गिरने, करंट लगने, सांप के काटने, जीव-जंतु/जानवर द्वारा काटने/मारने/आक्रमण से, समुद्र, नदी, झील, तालाब, पोखर व कुएं में डूबने, आंधी-तूफान, वृक्ष से गिरने/दबने, मकान गिरने रेल/रोड/वायुयान/अन्य वाहन आदि से दुर्घटना, भूस्खलन भूकम्प, गैस रिसाव, विस्फोटक, सीवर चैम्बर में गिरने अथवा अन्य किसी कारण से कृषक की दुर्घटनावश मृत्यु/दिव्यांगता पर कृषक/विधिक वारिस/वारिसों को लाभ प्रदान किया जाता हैं। इस योजना का लाभ लेने हेतु संबंधित मृतक के दावेदार द्वारा संबंधित तहसील में अधिकतम तीन माह में ऑनलाईन/ऑफलाइन आवेदन कर सकता हैं। ऑनलाइन आवेदन https://bor.up.nic.in पर किया जा सकता हैं। आवेदन के साथ खतौनी प्रमाण पत्र, बटाईदार एवं पट्टेदार के संबंध के प्रमाणक, आयु प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, पोस्टमार्टम रिपोर्ट अथवा जहां पोस्टमार्टम नही हैं वहां पर पंचनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र अथवा दिव्यांगता की स्थिति में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल तथा मोबाइल नम्बर दस्तावेज आवेदन के समय संलग्नक किये जायेगें।

विंध्याचल मंडल गेहूं खरीद में 'फ़ेल' टारगेट के मुकाबले सिर्फ 38.53% खरीद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मीरजापुर। रबी विपणन वर्ष 2025-26 में विंध्याचल मंडल गेहूं खरीद के मामले में बुरी तरह पिछड़ गया है। सरकारी लक्ष्य के मुकाबले कुल खरीद महज 38.53 प्रतिशत पर ही सिमट गई। तीनों जिलों- मीरजापुर, सोनभद्र और भदोही में कुल 225 खरीद केंद्रों और मोबाइल टीमों के माध्यम से 7681 किसानों से सिर्फ 33,903.45 टन गेहूं ही खरीदा जा सका, जबकि लक्ष्य था 88,000 टन का। पिछले साल से भी कम रही इस बार की खरीद वर्ष 2024-25 में मंडल भर में 38,624.24 टन गेहूं खरीदा गया था। इस साल न सिर्फ लक्ष्य अधूरा रह गया बल्कि पिछली बार से भी 4720.79 टन कम खरीद हुई। मोबाइल केंद्रों ने जरूर राहत दी और गांव-गांव जाकर 9723.24 टन गेहूं की खरीद की, मगर यह कोशिश भी मंडल को सेकेंड डिवीजन से पास नहीं करा सकी। मीरजापुर रहा अव्वल, भदोही सबसे फिसड्डी जिला मीरजापुर ने तीनों जिलों में सर्वाधिक खरीद की। यहां 111 केंद्रों के जरिये 4571 किसानों से 20,886.78 टन गेहूं खरीदा गया, जो निर्धारित लक्ष्य 36,000 टन के सापेक्ष 58.02 प्रतिशत है। वहीं सोनभद्र में 77 केंद्रों पर 33,500 टन के लक्ष्य के मुकाबले केवल 9779 टन (29.19 प्रतिशत) और भदोही में 37 केंद्रों पर 18,500 टन के मुकाबले महज 3237.67 टन (17.50 प्रतिशत) की खरीद ही हो सकी। भुगतान में मामूली देरी, अधिकांश को राशि मिल चुकी मंडल में अब तक कुल 8289.39 लाख रुपये मूल्य का गेहूं खरीदा गया है, जिसमें से 8276.65 लाख रुपये का भुगतान किसानों को हो चुका है। सिर्फ 12.75 लाख रुपये का भुगतान लंबित है, जिसे जल्द निपटाने का दावा विभाग कर रहा है। एफसीआई को भेजा जा रहा है अनाज अब तक खरीदे गए कुल 33,903.45 टन गेहूं में से 32,559.21 टन अनाज भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को भेजा जा चुका है। शेष 1344.24 टन गेहूं को भेजने की प्रक्रिया चल रही है। क्या है खरीद में गिरावट की वजह? विभागीय अधिकारियों के अनुसार, बाजार में खुले में मिल रहे बेहतर भाव, मौसम की मार और किसान जागरूकता की कमी ने इस बार गेहूं खरीद को प्रभावित किया। कई किसानों ने समर्थन मूल्य से ज्यादा भाव पर अपना अनाज व्यापारियों को बेच दिया। जमीनी स्तर पर बदलाव की जरुरत सरकारी कोशिशों और मोबाइल केंद्रों के प्रयासों के बावजूद विंध्याचल मंडल गेहूं खरीद के मामले में 'फ़ेल' हो गया है। अब जरूरत है जमीनी स्तर पर किसानों से संवाद और नीति में बदलाव की, ताकि अगली बार सिर्फ आंकड़े नहीं, अन्नदाता की भागीदारी भी दिखे।